राष्ट्रीय हिंदी पाक्षिक समाचार पत्र

गजब हरियाणा

सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

संपादक : जरनैल सिंह सह संपादिका : सृष्टि देवी छायाकार : राजरानी PKL NO.: 0184/2024-26

WWW.GAJABHARYANA.COM 16 नवंबर 2025, वर्ष : 08, पृष्ठ : 04, अंक : 16, मूल्य : 7 रुपए, वार्षिक मूल्य : 150 रुपए Email: gajabharyananews@gmail.com

ज्ञान विचार

भीड़ में सब लोग अच्छे नहीं होते और अच्छे लोगों की कभी भीड़ नहीं होती ।

शंखनाद की ध्वनि के साथ सरस व शिल्प मेले के उद्घाटन से हुआ अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का भव्य शुभारंभ

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 के शिल्प व सरस मेले की सबसे सुंदर शुरूआत, राज्यपाल ने स्वयं कलाकारों से की मुलाकात

डॉ. जरनैल रंगा/ गजब हरियाणा

कुरुक्षेत्र। राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने शंखनाद की ध्वनि के बीच कुरुक्षेत्र में सरस और शिल्प मेले के उद्घाटन किया और इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 का भव्य शुभारंभ हुआ। इस सरस और शिल्प मेले के शुभारंभ के साथ ही प्रदेश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों और शिल्पकारों की खुशी का ठिकाना ना रहा। इन कलाकारों ने अपने-अपने प्रदेश की संस्कृति की छटा बिखेर कर उदघाटन समारोह को यादगार बनाने के साथ-साथ चार चांद लगाने का काम किया। इस सरस और शिल्प मेले के साथ राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने मंत्रौच्चारण के बीच महोत्सव के मीडिया सेंटर का भी उदघाटन किया।

राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने शनिवार को ब्रहमसरोवर के पावन तट पर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 में दीपशिखा प्रज्जवलित करके परंपरा अनुसार सरस और शिल्प मेले का शुभारंभ किया और श्रीमदभगवद गीता की प्रति पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धा को व्यक्त किया। इसके पश्चात राज्यपाल ने ब्रह्मसरोवर के तट पर शिल्प और सरस मेले का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने ढोल-नंगाड़ा पार्टी, करतब दिखा रहे कलाकार, नृत्य कर रहे कलाकार और बीन पार्टी से बातचीत की। इतना ही नहीं राज्यपाल ने सरस मेले में विभिन्न प्रदेशों से शिल्पकारों से उनकी शिल्पकला के बारे में विस्तार से पूछा। इन स्टॉलों पर राज्यपाल ने कुछ मिनट बिताए और शिल्पकला और सेल्फ हेल्प ग्रुप के बारे में भी जानकारी हासिल की। राज्यपाल ने इन स्टॉलों पर हाथ से बने उत्पादों की जमकर प्रसंशा की है। इसके अलावा राज्यपाल ने शिल्पकारों के साथ अपने मन की भावनाओं को भी साझा किया। उन्होंने कहा कि यह हम सभी के लिए ऐतिहासिक अवसर है। इस शिल्प और सरस मेले की सुंदर और भव्य शुरूआत शिल्पकारों के लिए सार्थक होगी। इस ब्रहमसरोवर के पावन तट पर दूर-दराज से आने वाले लाखों पर्यटकों के लिए एक मंच पर विभिन्न राज्यों के शिल्पकारों और सरस मेले में पहुंचे सेल्फ हेल्प ग्रुप के सदस्यों की कला देखने को मिलेगी। यह दृश्य पर्यटकों के लिए अदभुत और अनोखा होगा। इस मेले के लिए केडीबी और प्रशासनिक अधिकारी बधाई के पात्र है, सभी के साझे प्रयासों से इस मेले का परंपरा अनुसार आगाज हुआ है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 का आयोजन 15 नवंबर से 5 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा और मुख्य कार्यक्रम 8 दिवसीय होंगे और यह कार्यक्रम 24 नवंबर से 1 दिसंबर 2025 तक चलेंगे। इस महोत्सव में संत सम्मेलन, दीपोत्सव, गीता सेमिनार, वैश्विक गीता पाठ मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इन कार्यक्रमों से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलेंगी और प्राचीन संस्कृति से आत्मसात होने का अनोखा अवसर भी मिलेगा।

केडीबी सीईओ पंकज सेतिया ने मेहमानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि तीर्थ यात्रियों के लिए प्रशासन की तरफ से पुख्ता इंतजाम किए गए है। इस मौके पर थानेसर के विधायक अशोक अरोड़ा, केयूके के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा, केडीबी मानद सचिव उपेंद्र सिंघल, जिला परिषद के सीईओ शंभू राठी, प्राधिकरण के सदस्य सौरव चौधरी, केडीबी सदस्य विजय नरुला, अशोक रोसा, डा. ऋषिपाल मथाना, कैप्टन परमजीत सिंह, सैनी समाज के प्रधान गुरनाम सैनी, भाजपा नेता हरमेश सिंह सैनी, डा. संजय छाबड़ा, डा. अलकेश मोदगिल, सुभाष पाली, राजेश शांडिल्य आदि उपस्थित थे।

राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव के शुभारंभ का ऐतिहासिक अवसर है। हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र की भूमि पर भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था। यह गीता ज्ञान उस वक्त जितना उपयोगी था, आज भी उतना ही उपयोगी है। कुरुक्षेत्र भी उस वक्त जितना उपयोगी था, आज भी उतना ही उपयोगी है। गीता का यह संदेश युगों-युगों तक याद रखा जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि गीता महोत्सव न केवल कुरुक्षेत्र की भूमि पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर भी मनाया जा रहा है। आज विधिवत रूप से सरस मेले के उद्घाटन के साथ इसका शुभारंभ हुआ है। राज्यपाल ने कहा कि देश और विदेश से लोग अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में पहुंचेंगे। इस बार भी लाखों की संख्या में लोग पहुंचेंगे। इसके साथ-साथ विभिन्न प्रांतों से कलाकार, शिल्पकार, कारीगर व सामान बेचने वाले स्वयं सहायता समूह महोत्सव में पहुंचे हैं। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है और लोगों को हमारी संस्कृति जानने का अवसर भी मिलता है।

पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने में सरकार के प्रयास हुए सार्थक

गजब हरियाण ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने कहा कि पवित्र ग्रंथ गीता के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने में केंद्र और राज्य सरकार के प्रयास सार्थक हुए है। अब महोत्सव का आयोजन विदेशों में किया जा चुका है और आने वाले समय में भी अलग-अलग देशों में महोत्सव के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव के संदेश को विदेशों तक पहुंचाने में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 के अवसर पर केडीबी के सभागार में बनाए गए मीडिया सेंटर का उदघाटन करने के उपरांत बातचीत कर रहे थे। इससे पहले राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष, विधायक अशोक अरोड़ा, मानद सचिव उपेंद्र सिंघल, केडीबी सीईओ पंकज सेतिया ने मीडिया सेंटर का उदघाटन किया। राज्यपाल ने कहा कि कुरुक्षेत्र एक आध्यात्मिक, धार्मिक और शिक्षा का केन्द्र है। इस महान भूमि की धूल को मानव अपने माथे पर लगाकर स्वयं को धन्य मानता है। इसे भारत की प्राचीन संस्कृति का उद्गम स्थल भी कहा जाता है। कुरूक्षेत्र विश्वभर में ऋषियों-मुनियों तथा देवताओं की तपोस्थली, कर्मभूमि और यज्ञभूमि के रूप में विख्यात है। पत्रकार समाज का बेहद ही महत्वपूर्ण अंग होते है। प्रजातंत्र में प्रैस की भूमिका से आप भलीभांति परिचित हैं। प्रैस को प्रजातंत्र का चौथा स्तम्भ भी कहा जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि देश की आजादी से पहले भारत को आजाद करवाने और आजादी के बाद भी प्रैस ने राष्ट्र-निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाते हुए अपनी उपयोगिता को पूरी शक्ति के साथ प्रमाणित किया है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के गठन के पश्चात् 48 कोस कुरुक्षेत्र भूमि के तीर्थों का विकास कार्य प्रारम्भ हुआ। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार इस क्षेत्र में सैंकड़ों तीर्थ फैले हुए हैं जिनमें से बोर्ड द्वारा अभी तक लगभग 182 तीर्थों का दस्तावेजीकरण किया जा चुका है। तीर्थ सर्वेक्षण का यह कार्य वर्तमान में भी निरन्तर चल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव आगामी 5 दिसंबर तक चलेगा। कुरुक्षेत्र एक धर्मनगरी, कर्मनगरी, पुण्यभूमि और मोक्ष की भूमि है। इस अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में देश व विदेश से कई शिल्पकार आ रहे है।

विकास की नई उड़ान, बैंक स्क्वेयर के द्वितीय चरण के निर्माण को मिली 64.47 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति : ऊर्जा मंत्री अनिल विज

बैंक स्क्वेयर में कुल 100 शोरूम का निर्माण होगा जिसमें 32 बैंक शिफ्ट होंगे

शेर सिंह/ गजब हरियाणा

अंबाला। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बताया कि अम्बाला छावनी में निर्माणाधीन बैंक स्क्वेयर भवन में द्वितीय चरण के निर्माण हेतु 64.47 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है और जल्द टेंडर कर द्वितीय चरण के निर्माण कार्य को प्रारंभ किया जाएगा। इससे पहले चल रहा पहले चरण निर्माण कार्य अंतिम चरणों में है। ऊर्जा मंत्री अनिल विज के प्रयासों से अम्बाला छावनी के बैंकों को एक ही छत के नीचे लाने के लिए प्रारंभ की गई बैंक स्क्वेयर परियोजना एक मील का पत्थर साबित होगी। यहां लगभग 32 बैंकों को एक ही छत के नीचे शिफ्ट करने की योजना है। मंत्री अनिल विज ने बताया कि द्वितीय चरण के तहत बैंक स्क्वेयर में पिछली तरफ बनने वाली बिल्डिंग चार मंजिला होगी जिसमें कई शोरूम बनाए जाएंगे। इसके अलावा यहां पर कार्यक्रम व कांफ्रेंस आदि आयोजित करने के लिए 450 लोगों की क्षमता का ऑडिटोरियम बनेगा। इसके अतिरिक्त रूफ टॉप पर फूट कोर्ट बनाएं जाएंगे जहां लोग खाने-पीने का आनंद ले सकेंगे। उन्होंने बताया प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है जिसके बाद जल्द टेंडर कराकर काम को प्रारंभ किया जाएगा। गौरतलब है कि मंत्री अनिल विज के प्रयासों से 3.97 एकड़ में बैंक स्क्वेयर कम शापिंग मॉल भवन का निर्माण कार्य किया जा रहा है। पहले चरण के कार्य के तहत लगभग 111 करोड़ रुपए की लागत से आगे बन रहे तीन मंजिला भवन का निर्माण कार्य लगभग 85 प्रतिशत पूरा हो चुका है। पूरे बैंक स्क्वेयर में कुल 100 शोरूम का निर्माण होगा। बैंक स्क्वेयर में प्रथम चरण के तहत बन रही तीन मंजिला बिल्डिंग में बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर पर 325 से अधिक वाहनों को खड़ा करने के लिए पार्किंग सुविधा होगी। बेसमेंट व ग्राउंड फ्लोर पर एचवीएसी प्लांट रूम, पम्प हाउस, लिफ्ट, इलेक्ट्रिकल पैनल रूम, लिफ्ट, सीढ़िया व अन्य सुविधाएं होगी। तीन मंजिला भवन के प्रथम तल पर 21 शोरूम, महिला व पुरूष के लिए दो-दो पब्लिक टॉयलेट, इलेक्ट्रिक पैनल रूम, चार लिफ्ट व सीढ़ियां होगी। दूसरी मंजिल पर 18 शोरूम, महिला व पुरूष के लिए दो-दो पब्लिक टॉयलेट, इलेक्ट्रिक पैनल रूम, चार लिफ्ट, सीढ़ियां व अन्य सुविधा होगी।

सांसद नवीन जिंदल ने नवीन जिंदल फाउंडेशन की तरफ से पुलिस विभाग को सौंपे 100 बैरीकेट

नशे को रोकने के लिए पुलिस युवाओं को जागरूक करके खेलों में बढ़ाएं रुझान

गजब हरियाणा न्यूज/ डॉ. जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र लोकसभा सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि आमजन को सुरक्षित, शांतिपूर्वक और भयमुक्त माहौल देने के लिए हमारी पुलिस लगातार काम रही है। किसी भी तरह के कार्यक्रम को सफल बनाने, कानून व्यवस्था लागू करवाने में एकमात्र पुलिस विभाग की जिम्मेदारी होती है। पुलिस की विभिन्न पहलें और कार्यक्रम लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। इन्हीं विभिन्न पहलों, योजनाओं, कार्यक्रमों के चलते लोगों में भी पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है। सांसद नवीन जिंदल शनिवार को लघु सचिवालय स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। इससे पहले पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने सांसद नवीन जिंदल को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। सांसद नवीन जिंदल ने नवीन जिंदल फाउंडेशन की तरफ से 100 बैरीकेट पुलिस विभाग को सौंपे।

सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि पुलिस की नई पहलें, कार्यक्रमों और सक्रियता के कारण अपराध में कमी आई है। पुलिस की उपस्थिति और पहलें लोगों को सुरक्षित महसूस करवा रही हैं। पुलिस और समुदाय के बीच विश्वास बढ़ा है, जिससे लोगों को न्याय और सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया जा सकता है। उन्होंने आमजन से आग्रह किया कि कार्यक्रमों को सफल बनाने में पुलिस का सहयोग करें।

सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि लोकसभा क्षेत्र के युवाओं को किसी ना किसी खेल में हिस्सा लेना चाहिए। आने वाले एक साल में संसदीय क्षेत्र के अंदर आने वाले करीब 900 गांवों में खेलों का सामान व जिम का सामान युवाओं के लिए उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में स्टेडियम बने हुए हैं, उनका सुधार करके वहां पर खेल संबंधित सामान और खेल सीखाने के लिए कोचों की व्यवस्था की जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार नशे के खिलाफ अभियान चलाती है। पुलिस से आग्रह है कि वो युवाओं को खेल के प्रति जागरूक करें, क्योंकि जो युवा खेल में हिस्सा लेगा वो नशे से हमेशा दूर रहेगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस आमजन व सामाजिक लोगों के साथ मिलकर काम कर रही है, जिससे लोगों को सुरक्षा और न्याय के प्रति जागरूक किया जा रहा है। पुलिस साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों को सुरक्षित रखने के लिए विशेष अभियान चला कर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस महिलाओं के लिए विशेष सुरक्षा उपायों पर काम कर रही है। इसमें महिला हेल्पलाइन और महिला पुलिस थाने स्थापित हैं। इसी तरह पुलिस बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए काम कर रही है। इस मौके पर एएसपी प्रतीक गहलोत, डीएसपी सुनील कुमार, रामकुमार और रोहताश कुमार मौजूद रहे।

हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन ने हाउसिंग बोर्ड को 30 दिनों में बकाया पुनर्गणना का दिया आदेश

सुदेश/गजब हरियाणा न्यूज

चंडीगढ़। हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए हरियाणा हाउसिंग बॉर्ड को निर्देश दिया है कि वह शिकायतकर्ता के खाते में दर्ज बकाया राशि की पुनः गणना कर उसे 30 दिनों के भीतर संशोधित विवरण उपलब्ध कराए। साथ ही, शिकायतकर्ता को पाँच हजार रुपये की क्षतिपूर्ति प्रदान करने का भी निर्देश दिया गया है, जिसका भुगतान हाउसिंग बोर्ड द्वारा किया जाएगा और यह राशि उस अधिकारी से वसूल की जाएगी जिसने दो वर्षों तक आवश्यक निर्देश जारी नहीं किए।

आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि आयोग ने पाया कि हाउसिंग बोर्ड ने 03 अगस्त 2022 की जीएसटी अधिसूचना के आधार पर अतिरिक्त कर और ब्याज तो लगा दिया, लेकिन दो वर्ष तक किसी भी आवंटी को इस संबंध में कोई नोटिस जारी नहीं किया। बिना सूचना के ब्याज वसूलना न केवल न्यायसंगत प्रक्रिया के विपरीत है, बल्कि यह प्रशासनिक लापरवाही का स्पष्ट उदाहरण भी है। बोर्ड द्वारा दिए गए 'प्रशासनिक बाधाओं' के तर्क

को भी कमीशन ने अस्वीकार कर दिया, क्योंकि उसके समर्थन में कोई तथ्य अथवा रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं किया गया।

कमीशन ने यह भी स्पष्ट किया कि बोर्ड द्वारा उद्धृत न्यायालयीन निर्णय वर्तमान मामले से संबंधित नहीं हैं और इनका प्रयोग प्रक्रियात्मक त्रुटियों को सही ठहराने के लिए नहीं किया जा सकता। आयोग ने कहा कि जीएसटी की मूल राशि वैध है और इसका भुगतान शिकायतकर्ता को करना होगा, किंतु जिस अवधि में कोई नोटिस जारी नहीं किया गया, उस दौरान का ब्याज शिकायतकर्ता पर नहीं डाला जा सकता।

सी.जी.एस.टी.ऐक्ट 2017 की धारा 73(2) के अनुसार नोटिस देना अनिवार्य है और इस प्रावधान का पालन न करना कानून की भावना के विपरीत है।

कमीशन ने यह भी स्पष्ट किया कि जब सेवा नो ड्यूज़ सर्टिफिकेट जारी करना है और आवेदक के खाते में दर्ज बकाया सीधे इसी सेवा से संबंधित हैं, तो आयोग वित्तीय गणना की वैधता और निष्पक्षता की जांच करने का पूर्ण अधिकार रखता है। हाउसिंग बोर्ड की यह दलील स्वीकार नहीं की गई कि राइट टू सर्विस ऐक्ट वित्तीय विवादों के निवारण का मंच नहीं है। राज्य सरकार ने स्वयं कई विभागों की ऐसी सेवाएं इस अधिनियम के तहत अधिसूचित की हैं जिनमें वित्तीय लेनदेन और गणनाएं शामिल हैं।

कमीशन ने अपने आदेश में कहा कि हाउसिंग बोर्ड और शिकायतकर्ता के बीच वर्ष 2022 के बाद कोई सक्रिय कानूनी अनुबंध भी नहीं था, ऐसे में अतिरिक्त कर लगाने से पहले आवंटी को सूचना देना और उसकी देयता स्पष्ट करना अनिवार्य था। बिना सूचना के ब्याज जोड़ना आवंटी के साथ अन्याय है और इस प्रकार की प्रशासनिक चूक स्वीकार्य नहीं है।

गीता जयंती में आयुष विभाग ने ब्रह्म सरोवर पर लगाया निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर : डॉ. मंजू शर्मा

गजब हरियाणा ब्यूरो

कुरुक्षेत्र । आयुष विभाग की जिला आयुर्वेदिक अधिकारी कुरुक्षेत्र डा. मंजू शर्मा ने कहा कि गीता जयंती के पावन अवसर पर 15 नवंबर से 5 दिसंबर 2025 तक कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव में आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों के साथ-साथ आयुष विभाग द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी कुरुक्षेत्र डा. मंजू शर्मा व केडीबी मेंबर डा. संदीप छाबड़ा ने दीप प्रज्वलित करके शिविर का शुभारंभ किया। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी कुरुक्षेत्र द्वारा आमजन से अपील की गई इस तरह के कैंप में अधिक से अधिक लाभ उठाएं। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा. मंजू शर्मा ने कहा कि आयुष विभाग कुरुक्षेत्र की ओर से यह निशुल्क चिकित्सा शिविर एवं योग शिविर 15 से 5 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। इसमें आमजन को निशुल्क दवाइयां वितरित किए जाएंगे और उन्हें जड़ी

बूटियां से घरेलू नुस्खे से होने वाले लाभों के बारे में जागरूक किया जाएगा।

योग सहायकों के माध्यम से योग से संबंधित जानकारी एवं लाभों के बारे में आमजन को बताया जाएगा। इस मौके पर आयुष विभाग से डा. जागीर, डा. महिपाल, डा. संदीप गुप्ता, डा. अदिति, डा. स्मृति, डा. सुधीर, डा. विनीता, डा. विवेक, डीपीएम जितेन्द्र सिंह, योग विशेषज्ञ मंजीत, फार्मासिस्ट संदीप, सत्यवीर, पूनम, रीना, योग सहायक हरदीप सिंह, प्रदीप, बाला देवी, पार्ट टाइम ऋषिपाल पंकज, केंदर उपस्थित रहे।

संपादकीय.....

बिहार में 'डबल सेंचुरी': सुशासन पर जनता का प्रचंड विश्वास

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है कि बिहार की जनता ने विकास और सुशासन के मॉडल पर अपना अटूट भरोसा जताया है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को मिली ऐतिहासिक और प्रचंड जीत ने न केवल तमाम एग्जिट पोल्स के अनुमान गलत साबित किए, बल्कि विपक्षी महागठबंधन के दावों पर भी भारी पड़ गई। 243 सदस्यीय विधानसभा में एनडीए ने 202 सीटों के साथ 'डबल सेंचुरी' लगाकर पिछले 15 वर्षों में अपनी सबसे बड़ी चुनावी सफलता दर्ज की है। यह जीत केवल संख्या की ताकत नहीं, बल्कि जनता के व्यापक समर्थन, सूझ-बूझ और कुशल नेतृत्व का परिणाम है।

2020 के चुनाव के बाद मिली सीमित बढ़त से सीख लेकर एनडीए ने इस बार प्रभावशाली चुनाव प्रबंधन और मजबूत सामाजिक समीकरण के जरिए एक 'सुनामी' का निर्माण किया। भारतीय जनता पार्टी ने लगभग 95% की जोरदार स्ट्राइक रेट हासिल की, जबकि जनता दल यूनाइटेड ने अपने नेतृत्व और केंद्रीय समर्थन से शक्तिशाली वापसी की।महिला मतदाताओं की उल्लेखनीय भागीदारी और योजनाओं जैसे 'जीविका दीदी' और नकद सहायता ने महिलाओं में एनडीए के लिए मजबूत विश्वास पैदा किया जो इस जीत का एक बड़ा कारक रहा। जातिगत समीकरणों को संतुलित करते हुए, सवर्ण, ओबीसी, ईबीसी और दलित वर्गों का एकजुट समर्थन विपक्ष की रणनीति को पीछे छोड़ गया। सहयोगी दलों की सीटें भी निर्णायक चुनौतियों में महत्वपूर्ण साबित हुईं।विपक्षी महागठबंधन की हार के कारण उनके भीतर बिखराव, नेतृत्व का अभाव, समन्वय कमजोर होना और 'जंगलराज' की वापसी का नकारात्मक चित्रण रहा। मतदाताओं ने स्थिरता और विकास के विकल्प को चुना और विवादों तथा असमंजस की राजनीति से दूर हटना पसंद किया।नई सरकार के समक्ष अब बड़ी चुनौती है कि इस विशाल जनादेश के अनुरूप बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे की समस्याओं को युद्धस्तर पर सुलझाया जाए। यह जीत साबित करती है कि राजनीति में भावनाएँ क्षणभंगुर हो सकती हैं, लेकिन विकास की निरंतरता और सुशासन का भरोसा ही अंततः विजय सुनिश्चित करता है। बिहार ने पुनः प्रमाणित किया है कि जब भविष्य की सुरक्षा का सवाल हो, तो मतदाता अत्यंत गंभीर और विवेकपूर्ण निर्णय लेते हैं।इस प्रकार, बिहार का 'डबल सेंचुरी' चुनाव परिणाम न सिर्फ एक राजनीतिक घटना है, बल्कि सुशासन और विकास की जीत का प्रतिबिंब भी है, जो देश के अन्य हिस्सों के लिए एक प्रेरणा स्रोत होगा।

-डॉ. जरनैल सिंह रंगा

अहोभाव

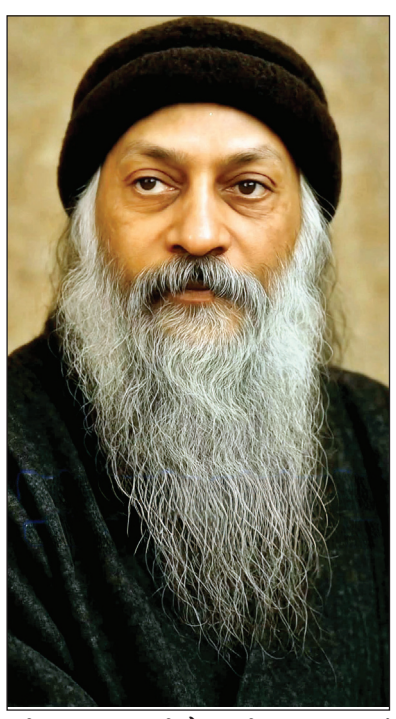

एक ओंकार सतनाम। किसी भी मार्ग से एक को खोज लेना है। एक को खोजते ही यात्रा पूरी हो जाती है। क्योंकि एक को खो कर ही संसार प्रारंभ हुआ है। बहुत उपाय हो सकते हैं एक को खोजने के। क्योंकि बहुत प्रकार से एक खंडित हुआ है। जैसे सूर्य की किरण गुजरती है कांच के एक टुकड़े से, सात टुकड़ों में टूट जाती है। इंद्रधनुष पैदा होता है। ऐसे ही जीवन बहुत से खंडों में टूट गया है। एक किरण सात रंगों में टूट जाती है। जब रंग जुड़े होते हैं तब श्वेत रंग बनता है। जब टूट जाते हैं तब भिन्न-भिन्न रंगों का निर्माण होता है।

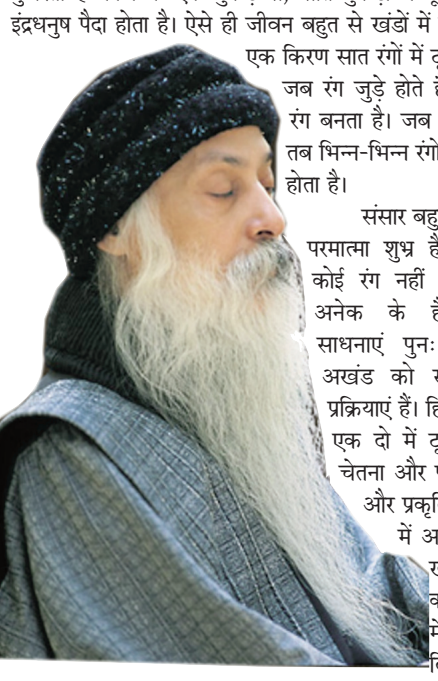

संसार बहुत रंगीला है, परमात्मा शुभ्र है। एक का कोई रंग नहीं है। रंग तो अनेक के हैं। समस्त साधनाएं पुनः खंडों में अखंड को खोजने की प्रक्रियाएं हैं। हिंदू कहते हैं, एक दो में टूट गया है- चेतना और पदार्थ, पुरुष और प्रकृति। इन दोनों में अगर तुम उसे खोज लो, एक की झलक, यात्रा पूरी हो जाएगी। एक दूसरा मार्ग कहता है, एक तीन में टूट गया है-सत्यम्, शिवम्, सुंदरम्। तुम सत्य में सुंदर को देख लो, सुंदर में सत्य को देख लो, शिवम् में सुंदर दिखायी पड़े, सत्य में शिवम् दिखायी पड़े; इन तीनों के बीच तुम्हें एक की झलक आने लगे; सत्यम्, शिवम्, सुंदरम् खो जाए और एक ही बचे, एक ओंकार सतनाम, तो तुम्हारी यात्रा पूरी हो गयी।

नानक कहते हैं, एक पांच में टूट गया है, पांच इंद्रियों के कारण; अगर इन पांचों में तुम एक को खोज लो, तो उपलब्धि हो गयी। तुम सिद्ध हो गए।यह बात महत्वपूर्ण नहीं है कि तुम कितने खंडों में तोड़ कर देखते हो। अनंत खंड हो गए हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि खंडों के बीच अखंड को कैसे खोज लिया जाए !पांच इंद्रियां हैं, लेकिन पांचों इंद्रियों के बीच में एक ध्यान है। इंद्रियां पांच हैं, ध्यान एक है। इसे थोड़ा समझें, तो पांचों इंद्रियों के बीच एक का सूत्र हाथ में आ जाएगा। मनके कोई गिनता रहे माला के, कुछ अर्थ नहीं, सब मनके जिस एक सूत्र में पिरोए हैं उसे जो पकड़ ले, उसने परमात्मा की शरण ले ली। मनके गिनना संसार है, मध्य में पिरोए सूत को पकड़ लेना परमात्मा की उपलब्धि है।

पांच इंद्रियां हैं। उनके बीच कौन है एक? जब तुम आंख से देखते हो तो कौन देखता है? जब तुम कान से सुनते हो तो कौन सुनता है? जब तुम हाथ से स्पर्श करते हो तो कौन स्पर्श करता है? जब तुम नाक से गंध लेते हो तो किसे गंध आती है? जब तुम स्वाद लेते हो तो किसे स्वाद आता है? वह एक है। उसे नानक कहते हैं, वही ध्यान है।

-ओशो

मनोरंजन ऐप्स की अंधी दौड़ और बढ़ती अश्लीलता

डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स तेज़ मुनाफ़े की दौड़ में कला, संवेदनशीलता और समाजिक मूल्यों को पीछे छोड़ते हुए अश्लीलता को नया 'मनोरंजन' बना रहे हैं- इसका दुष्प्रभाव विशेषकर युवाओं की मानसिकता पर गहरा और खतरनाक है।

डिजिटल क्रांति ने जिस तेज़ी से दुनिया को बदला है, उतनी ही तीव्रता से उसने हमारे मनोरंजन के साधनों को भी प्रभावित किया है। मोबाइल फोन, इंटरनेट और सस्ते डेटा ने मनोरंजन को घरों से निकलकर सीधा हर व्यक्ति की जेब और हाथों तक पहुंचा दिया है। आज सैकड़ों एंटरटेनमेंट ऐप्स–वेब सीरीज़, शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया स्ट्रीमिंग और लाइव शो–हर सेकंड दर्शकों का ध्यान खींचने की होड़ में हैं। यह सुविधा जितनी शानदार लगती है, उतनी ही गहरी चिंताओं को भी जन्म देती है। क्योंकि इसी आसानी ने मनोरंजन की परिभाषा को खतरनाक रूप से बदल दिया है। अब मनोरंजन का अर्थ कला, संस्कृति, कहानी या संवेदनशीलता नहीं रह गया है– बल्कि तेज़ व्यूज़, वायरल कंटेंट और उत्तेजक दृश्यों की अंधी प्रतिस्पर्धा बन गया है।

आज स्थिति यह है कि अनेक ऐप्स जान-बूझकर अश्लीलता, फूहड़ हरकतों, भद्दे संवादों और उत्तेजक दृश्यों को परोस रहे हैं। यह सामग्री न तो किसी रचनात्मकता की मिसाल है और न ही इससे समाजिक चेतना का विस्तार होता है। इसके पीछे केवल एक लक्ष्य है–तेज़ी से अधिक दर्शक, और इन दर्शकों के माध्यम से विज्ञापन व सब्सक्रिप्शन से होने वाला मुनाफ़ा। मनोरंजन उद्योग ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहाँ कला और संस्कृति की प्रतिष्ठा आर्थिक लालच के सामने निरर्थक होती जा रही है।

कभी भारतीय सिनेमा, थियेटर और साहित्य समाज के जीवन-मूल्यों को सहेजने का माध्यम माने जाते थे। कहानी, संवाद, अभिनय और कल्पना की शक्ति दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती थी। आज डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स ने इसका बिल्कुल उल्टा माहौल तैयार कर दिया है। वेब सीरीज़ और शॉर्ट वीडियो में आपत्तिजनक भाषा, निर्बाध अश्लीलता और अनावश्यक अंतरंग दृश्यों को ऐसे दिखाया जा रहा है जैसे यही 'आधुनिकता' या 'यथार्थवाद' हो। जबकि सच्चाई यह है कि यह यथार्थ नहीं, बल्कि एक जानबूझकर पैदा किया गया भ्रम है–जिसमें दर्शक को उत्तेजना व सनसनी के माध्यम से बांधकर रखा जाए। इस दौड़ की सबसे बड़ी कीमत युवा पीढ़ी चुका रही है। किशोरों के हाथ में मोबाइल है और मोबाइल के अंदर ऐसी दुनिया है जो बिना किसी रोक-टोक के उन्हें प्रभावित कर रही है। किशोरावस्था वह समय होता है जब व्यक्तित्व, सोच, नैतिकता और सामाजिक मूल्य बनते हैं। लेकिन इन ऐप्स पर उपलब्ध सामग्री उन्हें तेज़-तर्रार, उथला और अक्सर भ्रमित कर देने वाला दृष्टिकोण देती है। संबंधों के प्रति गलत धारणाएँ बनती हैं, महिलाओं के प्रति सम्मान घटता है, और जीवन को केवल शारीरिक आकर्षण, भौतिकता और दिखावे के रूप में समझने की प्रवृत्ति बढ़ती है।

आज का युवा जिस प्रकार की सामग्री रोज़ देख रहा है, वह उसके व्यवहार, शब्दों, संवेदनाओं और जीवन के आकलन को धीरे-धीरे बदल रही है। जिस चीज़ को वह 'मनोरंजन' या 'ट्रेंड' समझ रहा है, वह वास्तव में उनके भीतर मूल्यहीनता और अवसाद पैदा कर रही है। कई मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि इस प्रकार का कंटेंट आँखों को आकर्षित भले करे, लेकिन दिमाग पर भारी बोझ डालता है। तेज़-तेज़ दृश्यों, अश्लील संवादों, अनियंत्रित भावनाओं और आक्रामक प्रस्तुतियों से किसी भी किशोर का मानसिक संतुलन प्रभावित होना स्वाभाविक है।

लेकिन समस्या का एक और पहलू भी है–कंटेंट निर्माता और ऐप कंपनियाँ ज़िम्मेदारी से बचने के लिए 'यूज़र चॉइस', 'एडल्ट टैग' या 'व्यूअर डिस्क्रेशन' जैसे शब्दों का सहारा लेती हैं। वे यह कहती हैं कि दर्शक स्वयं चयन करें कि वे क्या देखना चाहते हैं। यह तर्क पूरी तरह गलत नहीं, लेकिन अधूरा अवश्य है। क्योंकि जब कोई ऐप अपनी पूरी मार्केटिंग रणनीति ही उत्तेजक और भड़काऊ सामग्री पर आधारित रखता है, तब दर्शक का चुनाव स्वतंत्र कम और प्रभावित अधिक होता है। जिस सामग्री को लगातार प्रमोट किया जाएगा, वही अधिक देखी जाएगी।

नियामक तंत्र की स्थिति भी उतनी ही कमज़ोर है। भारत में फिल्मों के लिए सेंसर बोर्ड है, टीवी के लिए प्रसारण नियंत्रण है, लेकिन डिजिटल ऐप्स लगभग बिना किसी प्रभावी नियंत्रण के चल रहे हैं। दिशा-निर्देश तो बनाए गए हैं, पर उनका पालन न तो कठोर है और न ही नियमित। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को लगता है कि वे आम मीडिया कानूनों से ऊपर हैं। उनका तर्क है कि इंटरनेट एक 'स्वतंत्र माध्यम' है। लेकिन क्या स्वतंत्रता का अर्थ यह है कि समाजिक संतुलन को बिगाड़ने वाली सामग्री को खुली छूट दे दी जाए? क्या संस्कृति, नैतिकता और संवेदनाओं को नज़रअंदाज़ कर देना ही स्वतंत्रता है?

समस्या का एक सामाजिक आयाम भी है। परिवार अपने स्तर पर बच्चों को रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन डिजिटल दुनिया की जटिलता इतनी है कि पूरी तरह नियंत्रण लगभग असंभव है। विशेषकर मध्यम वर्गीय और ग्रामीण परिवारों में डिजिटल साक्षरता अभी विकसित नहीं हुई है। माता-पिता यह नहीं जानते कि कौन-सा कंटेंट बच्चों के लिए अच्छा है और कौन-सा हानिकारक। ऐप कंपनियाँ भी माता-पिता को मार्गदर्शन देने के बजाय उनका उपयोगकर्ता विस्तार करने में अधिक रुचि रखती हैं।

ऐसे समय में हमें यह समझना होगा कि समाधान केवल प्रतिबंधों में नहीं है। समाधान एक व्यापक सामाजिक जागरूकता, नैतिक उत्पादन नीति और कड़े नियमन के संतुलन में है। मनोरंजन कंपनियाँ स्वयं यह तय करें कि क्या दिखाना उचित है। वे कला और व्यावसायिकता के बीच संतुलन बनाएं। अश्लीलता के सहारे व्यूज़ पाने की आदत छोड़ें और रचनात्मक, भावनात्मक तथा सामाजिक रूप से उपयोगी सामग्री प्रस्तुत करें।

साथ ही, सरकार को डिजिटल प्लेटफार्मों पर वैसा ही नैतिक नियंत्रण लागू करना होगा जैसा टीवी या फिल्मों पर होता है। पारदर्शी नियम, कठोर दंड और स्पष्ट श्रेणीकरण इस दिशा में आवश्यक कदम हो सकते हैं। समाज का कर्तव्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अभिभावकों को डिजिटल साक्षरता दी जानी चाहिए। युवाओं को यह समझाया जाना चाहिए कि मनोरंजन और उत्तेजना में बहुत अंतर होता है। फूहड़ता से मिली त्वरित प्रसन्नता जीवन के गहरे अनुभवों और रचनात्मक आनंद का विकल्प नहीं हो सकती।

मनोरंजन का उद्देश्य केवल चौंकाना या उत्तेजित करना नहीं है; उसका उद्देश्य मन को संवेदनशील बनाना, सोच को गहराई देना और समाज को बेहतर दिशा देना है। लेकिन जब ऐप्स की दुनिया कला को छोड़कर अश्लीलता की ओर भागने लगे, तब संस्कृति और सभ्यता दोनों संकट में पड़ती हैं।

हमारे सामने आज यही प्रश्न है–क्या हम ऐसी डिजिटल दुनिया चाहते हैं जहाँ मनोरंजन का आधार रचनात्मकता, सांस्कृतिक मूल्य और सामाजिक ज़िम्मेदारी हो? या हम ऐसे युग में प्रवेश करने जा रहे हैं जहाँ उत्तेजना ही कला बन जाएगी और सनसनी ही मनोरंजन?

समय की मांग है कि हम स्पष्ट रूप से कहें: हमें मनोरंजन चाहिए–लेकिन ऐसा नहीं जो समाज को खोखला कर दे।

अगर डिजिटल दुनिया इस दिशा में नहीं बदली, तो आने वाली पीढ़ियाँ एक ऐसे सांस्कृतिक अंधकार में प्रवेश करेंगी, जहाँ मनोरंजन तो बहुत होगा, पर उसका कोई अर्थ नहीं बचेगा।

-डॉ. सत्यवान सौरभ
कवि, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार

सरकार ने 14 वस्तुओं पर गुणवत्ता नियंत्रण आदेश वापस लिए, उद्योग को मिलेगा सस्ता कच्चा माल!

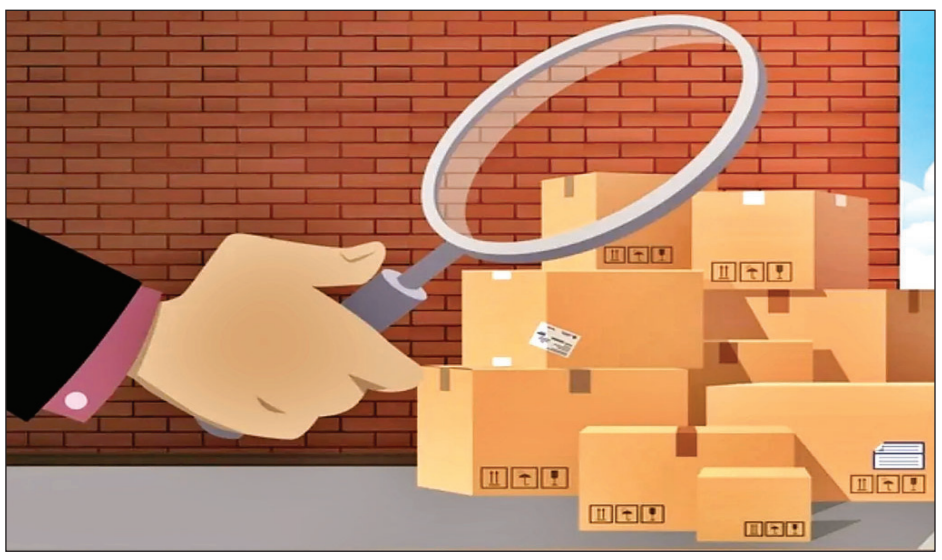

नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों के अनुरूप सरकार ने प्लास्टिक, पॉलिमर, सिंथेटिक फाइबर और धागा सहित 14 वस्तुओं पर गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) वापस ले लिए हैं। इस कदम का उद्देश्य अनुपालन बोझ को कम करना और विनिर्माण उद्योग के लिए कच्चे माल की उपलब्धता को आसान बनाना है। राजपत्र अधिसूचना के अनुसार भारतीय मानक ब्यूरो से परामर्श के बाद इन आदेशों को 'जनहित में' रद्द कर दिया गया है। रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग द्वारा जारी यह आदेश 12 नवंबर से प्रभावी है।

इसके साथ ही, 100 फीसदी पॉलिएस्टर कताई वाले धागे, पॉलिएस्टर औद्योगिक धागे, विस्कॉस स्टेपल फाइबर, पॉलिकार्बोनेट, पॉलियूरेथेन आदि को अब भारतीय बाजार में आयात और बिक्री के लिए भारतीय मानक ब्यूरो से प्रमाणन की आवश्यकता नहीं होगी। पिछले महीने सौंपी गई एक आंतरिक रिपोर्ट में समिति ने 200 से ज्यादा उत्पादों के लिए क्यूसीओ को रद्द करने, निलंबित करने और स्थगित करने का प्रस्ताव किया था। समिति ने चिंता जताई थी कि इन आदेशों से अनुपालन का बोझ बढ़ गया है और आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। इससे भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता भी प्रभावित हो रही है। समिति ने सिफारिश की थी कि उद्योग पर दबाव कम करने के लिए प्लास्टिक, पॉलिमर, मूल धातु, फुटवियर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे प्रमुख इनपुट से जुड़े 27 क्यूसीओ रद्द करना चाहिए।

आंतरिक रिपोर्ट के अनुसार घरेलू कताई करने वाले, बुनकर और परिधान विनिर्माता कच्चे माल पर क्यूसीओ लागू होने के कारण वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी कीमतों पर कच्चा माल प्राप्त करने में असमर्थ थे। उद्योग की मुख्य शिकायत यह थी कि सिंथेटिक फाइबर विनिर्माताओं को प्रमुख निर्यातक देशों के विनिर्माताओं की तुलना में 20 से 35 फीसदी अधिक कीमतों पर कच्चा माल मिलता है। इसके कारण तैयार माल की लागत बढ़ जाती है और निर्यात प्रभावित होता है। भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (सीआईटीआई) ने कहा कि पॉलिएस्टर फाइबर और पॉलिएस्टर धागे पर क्यूसीओ को रद्द करने का सरकार का कदम विकासोन्मुख उपाय है और यह सभी उपयोगकर्ता उद्योगों की लंबे समय से मांग रही है।

सीआईटीआई के चेयरमैन अश्विन चंद्रन ने कहा, 'पॉलिएस्टर फाइबर और पॉलिएस्टर धागों से अधिकतर मानव निर्मित फाइबर उत्पाद बनते हैं इसलिए अधिकारियों द्वारा उठाया गया यह कदम भारत में मानव निर्मित फाइबर खंड के विकास में योगदान देगा।'

उन्होंने कहा कि इन क्यूसीओ को हटाने से भारतीय कपड़ा और परिधान उत्पादों की लागत प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होगा क्योंकि इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी कीमतों पर कच्चा माल प्राप्त करना आसान हो जाएगा।

90% लोग फर्जी सेलेब्रिटी विज्ञापनों के झांसे में, भारतीयों को लग रही औसतन 34,500 रुपये

भारत में लगभग 90 प्रतिशत लोग फर्जी और एआई से तैयार सेलेब्रिटी विज्ञापनों के संपर्क में आते हैं। आम हो चुके इस तरह के घोटालों में उन्हें औसतन 34,500 रुपये की चपत लग रही है। ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिए उपभोक्ताओं को जागरूक करने वाली फर्म मैकफी की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है।

'सबसे खतरनाक सेलेब्रिटीः डीपफेक से धोखा' शीर्षक से तैयार सूची में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि साइबर ठग लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए किस प्रकार मशहूर हस्तियों के नाम का इस्तेमाल करते हैं।

साइबर घोटालेबाजों ने इस वर्ष बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के नाम का सबसे अधिक इस्तेमाल किया है। उसके बाद अभिनेत्री आलिया भट्ट और टेस्ला के ईलॉन मस्क को निशाना बनाया गया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फर्जी विज्ञापनों के प्रचार, मुफ्त की चीजों का लालच, धोखाधड़ी, फर्जी लिंक अथवा गलत चीजें डाउनलोड करने के उद्देश्य से बनी वेबसाइट की तरफ लोगों को आकर्षित करने के लिए एआई संचालित डीपफेक में इन हस्तियों के नाम का सबसे अधिक उपयोग किया गया।

मैकफी में इंजीनियरिंग के वरिष्ठ निदेशक प्रतिम मुखर्जी ने एक बयान में कहा, 'डीपफेक ने साइबर अपराधियों का पूरा खेल ही बदल दिया है। अब उन्हें किसी सिस्टम को हैक करने की जरूरत नहीं है। वे सीधे लोगों के दिमाग में घुसपैठ कर रहे हैं, वे उनका भरोसे के साथ खेल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा, 'आज कौन असली और कौन नकली, इसका पता लगाना अब आसान नहीं रह गया है। भारत में जिस तरह सेलेब्रिटी का प्रभाव देखने को मिलता है, साइबर ठग इसी का फायदा उठाते हैं। तकनीक इतनी आगे बढ़ गई है कि बिना प्रयास किए ही किसी की भी आवाज, चेहरे और तौर-तरीकों की नकल आसानी से की जा सकती है। वह चाहे कितना बड़ा सेलेब्रिटी ही क्यों न हो। अब जो लोग उस सेलेब्रिटी से प्रभावित होते हैं यानी उन्हें पसंद करते हैं, वह यह भी जांच-पड़ताल नहीं कर पाते कि उससे संबंधित सामग्री फर्जी तो नहीं है। जिस देश में लाखों लोग रोज सेलेब्रिटी और इन्फ्लूएंसर्स के प्रभाव में आते हैं, फर्जी विज्ञापन हो या उनसे जुड़ी अन्य चीजें, तेजी से फैलती हैं। ऐसी चीजों से बचने के लिए जागरूकता और सावधानी बरतने के साथ-साथ विश्वनीय सुरक्षा टूल का इस्तेमाल करना होगा।'

फिक्की और ईवाई की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल भारत में लोगों ने कुल मिलाकर 1.1 लाख करोड़ घंटे अपने स्मार्टफोन में कंटेंट देखने में व्यतीत किए। मैकफी की रिपोर्ट के मुताबिक इनमें 95 प्रतिशत लोगों ने व्हाट्सऐप, 94 प्रतिशत ने यूट्यूब, जबकि 84 प्रतिशत ने इंस्टाग्राम पर अपना समय बिताया।

मैकफी के अनुसार आज के दौर में ऑनलाइन फर्जीवाड़े से सबसे अधिक खतरा युवाओं को है। इनमें 35 से 44 आयु वर्ग के 62 प्रतिशत और 25 से 34 आयु के 60 प्रतिशत लोगों ने स्वीकार किया कि उन्होंने फर्जी सेलेब्रिटी विज्ञापनों पर क्लिक किया जबकि 18 से 24 साल के 53 प्रतिशत युवा ही ऐसे विज्ञापनों के झांसे में आए और उन्होंने इन्हें क्लिक कर देखा। उम्र बढ़ने के साथ लोगों में समझदारी का भाव दिखा और 45 से 54 साल की उम्र के 46 प्रतिशत तथा 65 साल से अधिक उम्र के केवल 17 प्रतिशत लोगों ने ही ऑनलाइन फर्जी सामग्री पर भरोसा करते हुए उन पर क्लिक किया या उनके झांसे में आए।

ऐसा तब हो रहा है जब कई एक्टर सोशल मीडिया मंचों समेत डीपफेक और एआई से तैयार सामग्री में बिना अनुमति अपने नाम और पहचान-प्रसिद्धि का इस्तेमाल होने से रोकने के लिए अदालत की शरण में जा चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ महीनों के दौरान अक्षय कुमार, ऐश्वर्य राय बच्चन, अभिषेक बच्चन, अमिताभ बच्चन, ह्रतिक रोशन, करण जौहर और आशा भोसले ने फर्जी तरीके या बिना अनुमति अपने नाम का इस्तेमाल होने से रोकने के लिए अदालत की मदद ली है।

क्यों पड़ा ' मियां शेख ' का नाम ' मियां शेख चिल्ली

बचपन में मियां शेख चिल्ली को मौलवी साहब नें शिक्षा दी थी की लड़के और लड़की के लिए अलग अलग शब्दों का प्रावधान होता है। उदाहरण के तौर पर 'सुलतान खाना खा रहा है' लेकिन 'सुलताना खाना खा रही है। ' मियां शेख चिल्ली नें मौलवी साहब की यह सीख गाठ बांध ली। फिर एक दिन मियां शेख चिल्ली जंगल से गुज़र रहे थे। तभी उन्हे किसी कुएं के अंदर से किसी के चिल्लाने की आवाज़ आई। वह फौरन वहाँ दौड़ कर जा पहुंचे। उन्होने देखा की वहाँ कुए में एक लड़की गिरि पड़ी थी और वह मदद के लिए चिल्ला रही थी। मियां शेख चिल्ली तुरंत दौड़ कर अपने दोस्तों के पास गए और उन्हे बोलने लगे कि वहां कुएं के अंदर एक लड़की गिरि पड़ी है और वह मदद के लिए चिल्ली रही है। मियां शेख चिल्ली और उनके दोस्तों नें मिल कर उस लड़की को कुएं से बाहर निकाल लिया। फिर घर जाते वक्त मियां शेख चिल्ली के एक दोस्त नें यह सवाल किया की मियां शेख आप लड़की चिल्ली रही....चिल्ली रही... क्यों बोले जा रहे थे? तब मियां शेख के एक पुराने दोस्त नें खुलासा किया कि मौलवी साहब नें मियां शेख को पढ़ाया था की लड़का होगा तो... खाना खा रहा है, और लड़की हुई तो खाना खा रही है इसी हिसाब से मियां शेख नें लड़की के चिल्लाने पर 'चिल्ली रही' शब्द का प्रयोग किया। मियां शेख चिल्ली के सारे दोस्त मियां शेख की इस मूर्खता पर पेट पकड़ कर हंस पड़े और तभी से मियां शेख बन गए 'मियां शेख चिल्ली '।

अमृतबाणी

शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज जिओ की

जाति-जाति में जाति हैं, जो केतन के पात, रैदास मनुष ना जुड़ सके जब तक जाति न जात ॥

जय गुरुदेव जी

व्याख्या : संत रविदास इस दोहे में समाज में जाति के आधार पर हो रहे भेदभाव और विभाजन को लेकर अपनी चिंता व्यक्त करते हैं। वह कहते हैं कि जैसे एक पेड़ की शाखाओं पर असंख्य पत्ते होते हैं, वैसे ही समाज में भी जातियों की गिनती बहुत अधिक है। जब तक यह जातिगत भेदभाव खत्म नहीं होगा, तब तक मानवता एकजुट नहीं हो सकती।

धन गुरुदेव जी

मधुमेह साइलेंट किलर है, समय-समय पर जांच कराना बेहद जरूरी: प्रो. ब्रिजेंद्र सिंह तोमर

सृष्टि/गजब हरियाणा

कुरुक्षेत्र। श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. ब्रिजेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि मधुमेह एक साइलेंट किलर है, इसलिए इसकी समय-समय पर जांच कराना बेहद जरूरी है। आयुर्वेद के अनुसार मधुमेह नियंत्रण का मूल आधार संतुलित आहार-विहार और सही दिनचर्या है। यदि व्यक्ति जीवन शैली में छोटे-छोटे सुधार करे तो मधुमेह जैसे रोगों से काफी हद तक बचाव संभव है। वे शुक्रवार को विश्व मधुमेह दिवस पर आयुर्वेदिक अस्पताल में आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलसचिव प्रो. बी.एस. तोमर, आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान के प्राचार्य प्रो. आशीष मेहता, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. राजा सिंगला, काय चिकित्सा विभाग की चेयरपर्सन प्रो. नीलम रानी, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नेहा लंबा और स्वस्थवृत्त विभाग की चेयरपर्सन प्रो. सीमा रानी ने किया। शिविर में काय चिकित्सा विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रीति गहलावत और पीजी स्कॉलर डॉ. दिव्या गोयल ने 150 से अधिक मरीजों की स्वास्थ्य जांच की। इनमें से मधुमेह से पीड़ित 90 मरीजों की विशेष जांच की गई। साथ ही, स्वस्थवृत्त विभाग की प्रो. सीमा रानी एवं पीजी स्कॉलर्स ने मरीजों को दिनचर्या, आहार-विहार और व्यायाम के महत्व के बारे में जागरूक किया। चिकित्सा अधीक्षक प्रो. राजा सिंगला ने बताया कि भारत में मधुमेह तेजी से फैल रहा है। केवल शहरी क्षेत्रों में ही हर आठ में से एक व्यक्ति इससे प्रभावित है। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति में अत्यधिक प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना, बिना कारण वजन कम होना, लगातार थकान रहना या घावों का देर से भरना जैसे लक्षण हों तो तुरंत शुगर की जांच करानी चाहिए। लंबे समय तक शुगर अधिक रहने पर यह दिल, किडनी, आंखों और पैरों की नसों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है।

आयुर्वेदिक आहार ही है असली ढाल: प्रो.मेहता

प्राचार्य प्रो. आशीष मेहता ने मधुमेह रोगियों के लिए आहार संबंधी उपयोगी सुझाव दिए। उन्होंने सलाह दी कि परिष्कृत अनाज जैसे मैदा और सफेद चावल से परहेज करें। इसके स्थान पर ज्वार, बाजरा और मोटा आटा जैसे साबुत अनाज लें। हरी सब्जियां, दालें और फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ भरपूर मात्रा में शामिल करें। तले हुए और मीठे खाद्य पदार्थों जैसे जलेबी, गुलाब जामुन, जूस आदि से दूरी बनाएं। रोजाना 30-45 मिनट तक व्यायाम अवश्य करें और शुगर की नियमित जांच कराते रहें। कार्यक्रम में पीजी स्कॉलर डॉ. हिमांशु भूषण प्रधान, डॉ. भारती, डॉ. अद्भुत, डॉ. पूजा सहित अन्य स्कॉलर्स एवं स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव: पुलिस सतर्क मोड पर, शरारती तत्वों पर रहेगी कड़ी नजर

डॉ. जरनैल रंगा/गजब हरियाणा

कुरुक्षेत्र। धर्मनगरी में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का शुभारंभ उत्साह और श्रद्धा के साथ हो चुका है। हर वर्ष की भांति इस बार भी जिला पुलिस ने सुरक्षा की कमान संभाल ली है। शनिवार को पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजामों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। एसपी अग्रवाल ने कहा कि गीता महोत्सव का सफल और शांतिपूर्ण आयोजन हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पुलिस कर्मियों से कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और सजगता के साथ ड्यूटी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि धर्मनगरी में सेवा देना सौभाग्य का कार्य है, इसलिए पर्यटकों के प्रति विनम्र व्यवहार रखें और पुलिस विभाग की सकारात्मक छवि को सुदृढ़ बनाएं।उन्होंने बताया कि गीता जयंती हमारी सांस्कृतिक धरोहर है, और इसके संरक्षण व प्रोत्साहन में योगदान देने वाले पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना पर तुरंत कार्रवाई करने और शरारती तत्वों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए। मीटिंग में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतीक गहलोत, डीएसपी मुख्यालय सुनील कुमार, डीएसपी शाहबाद राम कुमार, डीएसपी पेहवा निर्मल सिंह, डीएसपी अंबाला रमेश कुमार, डीएसपी बिलासपुर हरविंद्र सिंह, डीएसपी एचएपी परमजीत, डीएसपी एचएपी देवेंद्र सिंह, डीएसपी लाडवा रणधीर सिंह सहित

गुरु तेग बहादुर जी ने मानवता और धर्म की स्वतंत्रता के लिए दिया महान बलिदान : मंत्री रणबीर गंगवा

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आरकेएसडी कॉलेज में आयोजित किया गया कार्यक्रम

गजब हरियाणा ब्यूरो

कैथल। हरियाणा आर्ट एवं कल्चर विभाग की ओर से जिला प्रशासन के सौजन्य में कैथल के आरकेएसडी कॉलेज परिसर में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित एक अत्यंत भव्य हिंद की चादर लाइट एंड साउंड शो का आयोजन किया गया। इसमें लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में पूंडरी विधायक सतपाल जांबा व भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने भाग लिया। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने गुरु तेग बहादुर जी के जीवन को मानवता और धर्म की स्वतंत्रता के लिए दिया गया एक महान बलिदान बताया और उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि यह कार्यक्रम गुरु तेग बहादुर जी के जीवन आदर्शों, त्याग, बलिदान और अमर विरासत को समर्पित है। गुरु जी ने धर्म, मानवता और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनका बलिदान राष्ट्र की अस्मिता और एकता का प्रतीक है। उन्होंने किसी एक विशेष धर्म के लिए नहीं, बल्कि मानव मात्र की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपनी शहादत दी। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर सिंह जी का जन्म 1621 में हुआ। उनका जीवन साहस, धैर्य और धर्म की रक्षा का प्रतीक है। उन्हें हिंद की चादर कहा जाता है। हिंद की चादर केवल एक रूपक नहीं, बल्कि एक सामाजिक प्रतिज्ञा है। उन्होंने धर्म की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देकर त्याग की एक नई परिभाषा गढ़ी थी। गुरु जी ने सभी को एक समान आगे बढ़ने के अवसर देने की नीति को आगे बढ़ाया था। इसी नीति के तहत सबका साथ सबका विकास हरियाणा सरकार के मार्गदर्शन का मूल है। मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि आज हम शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहे हैं। परन्तु यह सब गुरु जी के आदर्शों के बिना संभव नहीं होता। उनके विचारों ने हमें न केवल आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि विश्व मंच पर एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। उन्होंने कहा कि आज जिस हिंद की चादर लाइट एंड साउंड शो का आयोजन किया गया है, यह शो हरियाणा सरकार का गुरु जी के जीवन, उनकी शिक्षाओं और उनकी शहादत को नई पीढ़ी तक आधुनिक और प्रभावी तरीके से पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस 350वें शहीदी दिवस पर, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम गुरु तेग बहादुर जी के दिखाए मार्ग पर चलेंगे।

विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का जीवन हम सब के लिए प्रेरणा का स्रोत है। गुरु तेग बहादुर जी ने सिर दे दिया, लेकिन धर्म को झुकने नहीं दिया। उनका यह बलिदान हमें यह सीखाता है कि सत्य का मार्ग कठिन हो सकता है, पर वही अमरता का मार्ग है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा हिंद की चादर श्री गुरू तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष को बड़ी श्रद्धा के साथ मना रही है। ताकि उनकी शिक्षाएं हमें हमेशा प्रेरित करती रहें। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उनकी शिक्षाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। सरकार द्वारा इस उपलक्ष्य में पूरे हरियाणा में चार यात्राएं निकाली जा रही हैं। जो 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में पहुंचेंगी। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस आयोजन में शामिल होकर श्री गुरु तेग बहादुर जी को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। उन्होंने श्री गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान को नमन किया।

गुरु साहिब के त्याग, शौर्य और मानवीय मूल्यों दिया संदेश

इस शो में आधुनिक तकनीक, लेजर लाइट्स और 3डी प्रोजेक्शन का उपयोग करके हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के पूरे जीवन, उनकी शिक्षाओं और विशेष रूप से मानवाधिकारों की रक्षा के लिए दिए गए उनके अद्वितीय बलिदान को बेहद प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया।

दर्शकों ने गुरु साहिब की त्याग, शौर्य और मानवीय मूल्यों के संदेश को जीवंत होते देखकर अत्यधिक श्रद्धा व्यक्त की। इस तरह के आयोजनों से युवा पीढ़ी को महान शहीदों के त्याग और शौर्य के बारे में जानने तथा उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलता है। लाइट एंड साउंड के माध्यम से उनके जीवन वृतांत को इस तरह संजोया गया मानो सभी दृश्य प्रत्यक्ष रूप से सजीव हो उठे हों। कार्यक्रम में हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के सदस्यों बलविंद्र सिंह व मेजर सिंह ने हरियाणा सरकार के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि गुरु तेग बहादुर जी ने जो बलिदान दिया था, वह धर्म की रक्षा के लिए दिया था। यह संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा जो प्रयास किए जा रहे हैं, वे सराहनीय हैं। इन सदस्यों सहित कार्यक्रम में पहुंचे अतिथिगणों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य बलविंद्र सिंह भिंडर व मेजर सिंह गुहला सहित भाजपा नेता यशपाल प्रजापति, मुनीश शर्मा, आयुष गर्ग, अवधेश, प्रवीण प्रजापति, एसडीएम अजय कुमार, रेडक्रास सचिव रामजी लाल, जिला उच्च शिक्षा अधिकार डा. मनोज बांबू, रेडक्रॉस से डा. बीरबल दलाल, संगत के साथ पहुंचे गांव सांगन के सरपंच गुरनाम सिंह, गुरुद्वारा नीमसाहब से मैनेजर हरकीर्तन सिंह, गुरुद्वारा के हैड ग्रंथी साहब सिंह, सतबीर मूंदड़ी, लक्ष्मण बलवंती, मनोज सौंगल, सरपंच प्रतिनिधि सोहन हरिपुरा, श्याम कैथल, सुशील छाबड़ा, हिमांशु गोयल, अशोक मित्तल, डॉ. बलविंद्र संगरोली, सुभाष कुराड़, मोहन, रूपक, विक्की, प्रमोद भाटिया, कृष्ण टीक, कृष्ण सोनी उपस्थित रहे।

इन कलाकारों ने श्रद्धा के साथ दी प्रस्तुति

लाइट एंड साउंड शो में चंडीगढ़ से आए कलाकारों चरणजीत कौर, बलविंद्र कौर, विक्रमजीत सिंह, हरजोत वीर सिंह, हरप्रीत सिंह हैप्पी, राजेंद्र सिंह, अत्येंद्र पाल सिंह, गुरचरण सिंह, मनजीत सिंह, अक्ष रविंद्र सिंह, रणधीर सिंह, जसबीर सिंह जस्सी, रेशम सिंह, केवल सिंह, हरदीप भुल्लर, पलविंद्र सिंह व गुरजीत सिंह ने पूरी श्रद्धा के साथ गुरु तेग बहादुर के जीवन पर आधारित प्रस्तुति दी।

कुवि में गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस भाषण प्रतियोगिता

गुरु तेग बहादुर जी का जीवन निडरता, सत्य और मानवता के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है: डॉ. ममता सचदेवा

सृष्टि/ गजब हरियाणा

कुरुक्षेत्र। भारत रत्न श्री गुलजारीलाल नंदा नीति शास्त्र एवं दर्शन शास्त्र केंद्र तथा भारत विकास परिषद मैत्रेयी शाखा कुरुक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भारत रत्न गुलजारीलाल नंदा केंद्र के सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मैत्रेयी शाखा की अध्यक्ष डॉ. ममता सचदेवा ने की। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित निर्णायकों, सभी अतिथियों, विभिन्न विद्यालयों से आए विद्यार्थियों एवं अन्य उपस्थित जनों का स्वागत किया।

अपने संबोधन में डॉ. ममता ने भारत विकास परिषद एवं उसकी मैत्रेयी शाखा की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का जीवन हमें निडरता, सत्य और मानवता के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब समाज अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है, गुरु तेग बहादुर जी के आदर्श मार्गदर्शक बन सकते हैं।

इस अवसर पर निर्णायक मंडल में डॉ. कुलदीप सिंह(विभाग पंजाबी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय), डॉ. गुरप्रीत (डी.ए.वी. पेहोवा) तथा डॉ. प्रद्युमन भटनागर (पूर्व प्रधान वैज्ञानिक, के.वी.के. कुरुक्षेत्र) शामिल रहे।

प्रतियोगिता में सात विद्यालयों के 24 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन मैत्रेयी शाखा की सचिव डॉ. नीलम ढांडा एवं कार्यक्रम संयोजिका डॉ. उर्मिल सांगवान' ने किया। डॉ. शुचिस्मिता, निदेशक, गुलजारीलाल नंदा केंद्र, कार्यक्रम की सह-संयोजिका रहीं।

इस अवसर पर डॉ. अनीता भटनागर, डॉ. सुनीता सिरोहा, डॉ. श्वेता, डॉ. शालिनी अग्रवाल एवं अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक रही तथा सभी प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में गीता निकेतन आवासीय विद्यालय ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, दिल्ली पब्लिक स्कूल, कुरुक्षेत्र ने द्वितीय पुरस्कार तथा यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने तृतीय पुरस्कार हासिल किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. शुचिस्मिता ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन गुरु तेग बहादुर जी के आदर्शों को आत्मसात करने के संकल्प एवं राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में 'मसाले और दलहन' पर विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रदर्शनी

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में डिपार्टमेंट ऑफ़ टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट द्वारा गुरुवार को विद्यार्थियों द्वारा 'मसाले और दलहन' विषय पर एक शानदार प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में बच्चों ने विभिन्न प्रकार के मसालों और दलहनों की जानकारी चार्ट, मॉडल और वास्तविक नमूनों के माध्यम से प्रस्तुत की। बेचलर ऑफ़ होटल मैनेजमेंट के छात्रों ने समूह बनाकर अपने-अपने प्रोजेक्ट तैयार किए। प्रदर्शनी में हल्दी, जवित्री, सफ़ेद मिर्च, शाही जीरा, इलायची, मसूर, मिलेट्स, अरहर आदि मसाले और दलहन के प्रकार, उनके पौष्टिक गुण, उपयोग संबंधी जानकारियां दी गई। विभागाध्यक्ष प्रो. महिंदर चांद ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में न केवल विज्ञान और पाक-कला के प्रति रुचि बढ़ाते हैं, बल्कि भारतीय भोजन संस्कृति की समझ भी गहरी करते हैं। अभिभावकों और शिक्षकों ने भी बच्चों की सृजनात्मकता की खूब प्रशंसा की। इस मौके पर डॉ दिनेश धनकड़, डॉ. सुरजीत, डॉ. मेघा गुप्ता, डॉ. महेश कुमार, डॉ. संदीप धनकड़, प्रो. मंजीत, डॉ. राहुल गर्ग, शेफ अमित जांगड़ा, शेफ गौरव सिंह और विद्यार्थी मौजूद रहे।

दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के लिए पात्र महिलाएं मोबाइल एप से करें आवेदन : डीसी प्रीति

गजब हरियाण ब्यूरो

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार द्वारा दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना शुरू की है। इसके साथ ही उन्होंने आवेदन के लिए एक एप भी लॉन्च की हुई है। इसमें एक लाख से कम आय वाले परिवार की महिलाओं को योजना का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए पात्र महिलाएं जरूरी कागजात को पूरे कर जल्दी आवेदन करें। उन्होंने बताया कि इस योजना के प्रयोजन के लिए प्रत्येक पात्र लाभार्थी के नाम पर एक चालू बैंक खाता होना चाहिए। पात्र महिला की आयु 23 वर्ष से 60 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। परिवार की सत्यापित वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक ना हो, जो महिला किसी अन्य राज्य से हरियाणा में विवाहित है जिसका पति हरियाणा का निवासी है और आवेदन के समय पिछले 15 वर्षों या उससे अधिक समय से हरियाणा राज्य में रह रहा है वह महिला इस योजना की पात्र है। एक नवंबर से महिलाओं के खाते में योजना का लाभ आना शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि यदि कोई महिला सामाजिक न्याय अधिकारिता एवं अनुसूचित जातियां, पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय सेवा विभाग से किसी अन्य प्रकार की सहायता प्राप्त कर रही है जैसा कि वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, विधवा और निराश्रित महिला को वित्तीय सहायता दिव्यांग वित्तीय सहायता, लाडली सामाजिक सुरक्षा, कश्मीरी प्रवासी परिवारों को वित्तीय सहायता, हरियाणा बौना भत्ता, एसिड अटैक वित्तीय सहायता, अविवाहित वित्तीय सहायता का लाभ प्राप्त करने वाली महिला दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ प्राप्त नहीं कर सकती। डीसी प्रीति ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य वित्तीय स्वतंत्रता को मजबूत करके और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करके महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है, जिससे उनकी समग्र भलाई और सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा मिले और महिलाएं आत्मनिर्भर बन सके। दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र महिला को 2100 प्रति माह लाभ दिया जाएगा। यह लाभ बैंकों के माध्यम से डीबीटी के तहत वितरित किया जाएगा।

स्वतंत्रता सेनानियों की पौत्रियों के विवाह पर 51 हजार रुपये का शगुन देगी सरकार : उपायुक्त

गजब हरियाण ब्यूरो

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि हरियाणा सरकार ने राज्य के स्वतंत्रता सेनानियों और भारतीय राष्ट्रीय सेना (आईएनए) के कर्मियों की पुत्रियों, आश्रित बहनों और पौत्रियों के विवाह पर 51,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने का फैसला लिया है। सरकार ने इस योजना के सुगम और पारदर्शी क्रियान्वयन के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी स्वतंत्रता सेनानी या आईएनए कर्मी तथा उनकी विधवा का निधन हो चुका है, तो उस स्वतंत्रता सेनानी के पुत्र या पुत्रवधू भी अपनी पुत्री (स्वतंत्रता सेनानी की पौत्री) के विवाह पर 51,000 रुपये शगुन के रूप में आर्थिक सहायता प्राप्त करने के आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह निर्णय पूर्व के निर्देशों में व्यावहारिक अस्पष्टता को दूर करने और पात्र परिवारों को सहायता प्राप्त करने में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने के उद्देश्य से लिया गया है। डीसी प्रीति ने कहा कि नए निर्देशों के अनुसार विवाह की तिथि से छह माह के भीतर और अधिकतम 12 माह के भीतर (विशेष परिस्थितियों में वैध कारणों सहित) संबंधित उपायुक्त के माध्यम से आवेदन करना होगा। जांच उपरांत उपायुक्त आवेदन को मुख्य सचिव के अनुमोदन के लिए भेजेंगे। भुगतान की व्यवस्था एडमिनिस्ट्रेटर जनरल और ऑफिशियल ट्रस्टी-कम-ट्रेजरर, चैरिटेबल एंडोमेंट्स हरियाणा द्वारा की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए यह आर्थिक सहायता केवल आधार से जुड़े बैंक खातों के माध्यम से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के रूप में ही दी जाएगी। डीसी प्रीति ने कहा कि नेशनल इन्फॉरमैटिक्स सेंटर (एनआईसी) को इस योजना के अंतर्गत कन्यादान अनुदान के ऑनलाइन आवेदन के लिए वेब आधारित प्रणाली विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे लाभार्थी ऑनलाइन आवेदन एवं उसकी स्थिति की निगरानी कर सकेंगे।

दिव्यांग कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को विभिन्न श्रेणियों में दिए जाएंगे राज्य पुरस्कार

गजब हरियाण ब्यूरो

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग कल्याण और अंत्योदय विभाग हरियाणा द्वारा दिव्यांग कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को विभिन्न श्रेणियों में राज्य पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसके लिए पात्र व्यक्ति 20 नवंबर 2025 तक विभाग के पोर्टल अवार्ड डॉट सोशल जस्टिस एचआरवाई डॉट जीओवी डॉट इन पर आवेदन कर सकते हैं। डीसी प्रीति ने कहा कि सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारी के तहत राज्य सरकारी विभाग या राज्य सरकार के उपक्रम के तहत कार्यरत सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारी की श्रेणी में प्रथम को 25 हजार रुपये, द्वितीय को 15 हजार रुपये और साथ में शील्ड व सम्मान पत्र दिया जाएगा।

पूर्व मंत्री चौधरी सुरेंद्र सिंह का नेतृत्व हमारे लिए प्रेरणास्रोत है: श्रुति चौधरी

पूर्व मंत्री स्वर्गीय चौधरी सुरेंद्र सिंह के जन्म दिवस पर उनके पैतृक गांव गोलागढ़ में उनकी समाधि स्थल पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

गजब हरियाणा ब्यूरो

तोशाम। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास तथा सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि पूर्व मंत्री स्वर्गीय चौधरी सुरेंद्र सिंह 36 बिरादरी के नेता थे। उनका नेतृत्व और उनकी विचारधारा हम सभी के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। तोशाम क्षेत्र ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के विकास में दिए गए उनके योगदान को कभी भुला नहीं जा सकता।

श्रुति चौधरी 14 नवंबर शुक्रवार को अपने पिता पूर्व मंत्री स्वर्गीय चौधरी सुरेंद्र सिंह के जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर गांव गोलागढ़ स्थित उनकी समाधि स्थल पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपना संदेश दे रही थी। उन्होंने समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपने पिता स्वर्गीय चौधरी सुरेंद्र सिंह को नमन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी बंसीलाल की तरह सुरेंद्र सिंह का जीवन लोगों की भलाई के लिए संघर्षभरा रहा। उन्होंने हर वर्ग के हित में कार्य किया। उन्होंने कहा कि वे एक-एक कार्यकर्ता को जानते थे। हरियाणा प्रदेश के हर गांव में चौधरी सुरेंद्र सिंह प्रत्यक्ष रूप से लोगो को जानते थे। कार्यकर्ताओं के साथ-साथ प्रदेश के आम जनमानस के दिलों में चौधरी सुरेंद्र सिंह की अलग ही जगह थी। उन्होंने कहा कि चौधरी सुरेंद्र सिंह के जीवन का अंतिम फैसला भी किसानों के हित में था, जिसमें उन्होंने राजस्व रिकॉर्ड को कंप्यूटरीकरण करने का काम किया, जिसकी आज पूरे प्रदेश में सराहना हो रही है। उन्होंने कहा कि वे अपनी माता राज्यसभा सांसद किरण चौधरी के साथ स्वर्गीय चौधरी बंसीलाल और चौधरी सुरेंद्र सिंह के कार्यों को आगे बढ़ाने का काम कर रहीं हैं। श्रुति चौधरी ने कहा कि उनके जीवन का लक्ष्य इलाके की खुशहाली के लिए कार्य करने का है। वे हर समय चाहती हैं कि समाज को सशक्त बनाने में वे जितना योगदान दे सकती हैं, वह कम है। उनका प्रयास है की जनहित में ऐसे काम किए जाएं जाए कि लोग उनको याद रखें। पूर्व मंत्री चौधरी चौधरी सुरेंद्र सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर कैरु में विभिन्न गांव के सरपंचों द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस दौरान खंड के करीब 17 सरपंच और दो बीडीसी सदस्यों ने श्रुति चौधरी के नेतृत्व में भाजपा ज्वाइन की। श्रुति ने कहा कि उनके साथ आने वाले कार्यकर्ताओं के सम्मान में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। चौधरी सुरेंद्र सिंह के लिए भी कार्यकर्ताओं का सम्मान करना सर्वोपरि था। इस दौरान रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 50 युवाओं ने रक्तदान किया।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी गोलागढ़ और कैरु के बाद तोशाम में पहुंची। यहां पर चौधरी सुरेंद्र सिंह चौक पर उन्होंने अपने पिता की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान उन्होंने झाड़ू लगाकर स्वच्छता बनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री चौधरी सुरेंद्र सिंह हमेशा स्वच्छता को तवज्जो देते थे। स्वच्छता और सादगी उनकी पहचान रही। तोशाम क्षेत्र में 7 दिन तक अभियान चलेगा। इस दौरान श्रुति चौधरी ने त्रिवेणी भी लगाई और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए और पर्यावरण के संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। उन्होंने कहा कि स्व चौधरी बंसीलाल व स्व चौधरी सुरेंद्र सिंह की विरासत को राज्यसभा सांसद किरण चौधरी आगे बढ़ा रही है। इस अवसर पर सीटीएम अनिल कुमार, सिंचाई विभाग के एसई ओपी बिश्नोई, कार्यकारी अभियंता नवीन देशवाल व मनीष देशवाल, पीओ वैशाली, सीडीपीओ किरण, शीशराम चेयरमैन गोलागढ़, एडवोकेट हरिसिंह सांगवान, रामप्रताप शर्मा, कृष्ण लेघा, ठाकुर अमर सिंह, दिलबाग निमड़ी, प्रदीप गोलागढ़, विजय खोरड़ा, सत्यनारायण शर्मा, विजय सिंह गोठड़ा, सरपंच पवन छपारिया, वासु शर्मा, सुंदर पाल तंवर, तोशाम मंडल अध्यक्ष विक्की महता, विजय तंवर, राधेश्याम कलाकार, शैंकी पोपली, मण्डल अध्यक्ष सतीश वर्मा, सुनील शास्त्री, युवा स्वच्छता एवं जनसेवा समिति के प्रधान पवन सैनी, गांव दूल्हेड़ी के पूर्व सरपंच बजरंग सैनी, राज सिंह भेरा, रमेश लालावास, मंडल अध्यक्ष कुलदीप महला, पूर्व चेयरमैन सुखबीर पंघाल, मनदीप कांटिया, रमेश पंघाल खरकड़ी, सुनील दहिया डाडम, राजकुमार जांगड़ा आदि मौजूद थे।

पांच साल पहले हुए मर्डर में हत्यारों की गिरफ्तारी न होने पर मामला सीबीआई को सौंपने की अनुशंसा के आदेश

जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करने पहुंचे थे मंत्री अनिल विज, 15 मामलों की सुनवाई में कई मामलों का किया मौके पर निपटारा

गजब हरियाणा ब्यूरो

कैथल। 14 नवंबर शुक्रवार को आरकेएसडी कॉलेज के सभागार जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक आयोजन किया गया। इसमें हरियाणा के परिवहन, ऊर्जा एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने 15 शिकायतों की सुनवाई की गई। इसमें नौ पुरानी व 6 नई शिकायतें शामिल रही।

बैठक में मंत्री अनिल विज ने पांच साल पहले हुए एक मर्डर केस में सीबीआई जांच की अनुशंसा करने सहित एक युवती द्वारा उत्पीड़न की शिकायत पर कार्रवाई न करने पर पुलिस कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर के आदेश जारी किए। वहीं चार मामलों में कमेटी गठित कर अगली बैठक तक जांच रिपोर्ट देने के आदेश दिए। एक महिला उत्पीड़न से संबंधित शिकायत में बैठक के दौरान ही आरोपी के घर रेड करवाई। बैठक में पुरानी शिकायतों में शामिल पहली शिकायत में सीवन गेट निवासी मनजीत सिंह की उसकी बेटी को विदेश भेजने में धोखाधड़ी संबंधी शिकायत पर मंत्री अनिल विज ने एसपी को निर्देश दिए कि वे आरोपियों के खिलाफ चंडीगढ़ की बजाए जिला कैथल में ही जीरो एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। मंत्री ने एसपी कैथल को कष्ट निवारण समिति की बैठक में जारी किए गए आदेशों की दृढ़ता से पालन करने के आदेश जारी किए। उन्होंने पहले इस मामले के जांच अधिकारी को निलंबित करने के आदेश दिए। बाद में एसपी द्वारा जानकारी दिए जाने व पुलिस कर्मचारी के अच्छे करियर को देखते हुए निलंबन के आदेश वापस लेते हुए मामले में तुरंत एफआईआर दर्ज करने के आदेश जारी किए। इस शिकायत को लंबित रखा गया। कसान निवासी कुसुम की मरनेगा की 5600 रुपये की राशि को उसके खाते से काटे जाने संबंधी शिकायत पर एलडीएम ने शिकायतकर्ता की राशि वापस करने बारे जानकारी दी। जिस पर मंत्री ने कहा कि यह राशि नकद में दी गई है, जो नियमानुसार गलत है। उन्होंने एडीसी की अध्यक्षता में विजिलेंस

कमेटी को इस मामले की जांच करवाने के आदेश दिए। इस शिकायत को लंबित रखा गया। अगली शिकायत चीका निवासी लक्ष्मी चंद की थी। जिसमें उसने आरोप लगाया था कि उसके खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज की गई थी तथा उसके द्वारा दी गई जवाबी शिकायत पर कार्रवाई नहीं की गई।

पुलिस विभाग द्वारा बताया गया कि यह क्रिप्टो करंसी से संबंधित मामला है। इसमें मंत्री अनिल विज ने पुलिस को आदेश दिए कि वे संबंधित के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए शिक्षा विभाग को पत्र लिखे। इस शिकायत को अगली शिकायत के लिए लंबित रखा। अगली शिकायत में ऋषि नगर निवासी नीतू मौण ने वर्ष 2020 में अपने भाई की हत्या के मामले में किसी की गिरफ्तारी न होने बारे शिकायत की थी। पिछली बैठक में मंत्री के आदेशानुसार पुलिस ने विदेश गए संदिग्ध आरोपी की गिरफ्तारी की प्रक्रिया शुरू करने बारे जानकारी दी। जिस पर शिकायतकर्ता पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं थी। संध्या की परिवार पहचान पत्र में किसी अन्य महिला का नाम जोड़े जाने संबंधी शिकायत में मंत्री को बताया गया कि संबंधित सीएससी सेंटर संचालक व विभागीय कर्मी के खिलाफ कार्रवाई के लिए लिख दिया गया है और परिवार पहचान पत्र ठीक कर दिया गया है और संबंधित महिला से रिकवरी भी कर ली गई है। इस के बावजूद मंत्री अनिल विज ने सीएससी संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पुलिस को आदेश दिए कि संबंधित सीएससी संचालक का पूरा रिकॉर्ड चेक किया जाए। जिस-जिस की भी इसमें मिलीभगत है, उसके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाए। इस शिकायत को लंबित रखा गया। अगली शिकायत गांव कैलरम निवासी टीका राम की थी। उसने आरोप लगाया कि काडा विभाग द्वारा खाल को कागजों में पक्का दिखाया गया है, जबकि खाल मौके पर करीब एक एकड़ पर कच्चा है। इस पर मंत्री अनिल विज ने कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर शिकायत का

इसके बाद मंत्री अनिल विज ने इस मामले को सीबीआई जांच करवाने की अनुशंसा की। उन्होंने डीसी को निर्देश दिए कि वे मुख्य सचिव को इस मामले की जांच सीबीआई से करवाए जाने बारे आवश्यक कार्रवाई के आदेश जारी किए। हेमू माजरा निवासी बलविंद्र सिंह की बिजली कनेक्शन संबंधित शिकायत थी। विभाग द्वारा कनेक्शन जारी कर दिया गया। शिकायतकर्ता की संतुष्टि के बाद इस मामले का निपटान कर दिया गया। अगली शिकायत कैथल निवासी निपटारा कर दिया गया।धनौरी निवासी संतोष की उसके खेत के नहरी खाल पर कब्जे की शिकायत पर सुनवाई करते हुए मंत्री अनिल विज ने सिंचाई विभाग, बीडीपीओ की रिपोर्ट सहित काडा के एक्सईएन द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर लंबी चर्चा कर जानकारी हासिल की। चर्चा में संगतपुरा पुलिस चौकी द्वारा कब्जा छुड़वाने की मांग के बावजूद कोई कार्रवाई न किए जाने की बात सामने आने व सिंचाई विभाग द्वारा मामले में कार्रवाई में देरी पाए जाने पर दोनों विभागों के आला अधिकारियों को जांच के आदेश दिए। मंत्री ने शिकायतकर्ता को आश्वासन दिया कि कहा कि वे मामले की तह तक जाएंगे। चाहे उन्हें मौके पर ही क्यों न जाना पड़े। पुरानी शिकायतों में अंतिम शिकायत गांव क्योड़क निवासी राजपाल आर्य की नेट हाउस की सब्सिडी न दिए जाने बारे थी। जिसमें पिछली बैठक में जांच के आदेश दिए थे। डीसी ने मंत्री को मामले की जांच रिपोर्ट दी। इसके बाद मंत्री अनिल विज ने शिकायतकर्ता की मांग पर इस मामले में एडीसी, एसडीएम एवं तहसीलदार मौके का दौरा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश जारी किए। नई शिकायतों में पहली शिकायत रणधीर कालोनी निवासी निधि ने ससुराल पक्ष पर मारपीट सहित कई आरोप लगाए थे। जिसमें पुलिस ने जवाब दिया कि उसके आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। शिकायतकर्ता पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट नजर नहीं आए और बताया कि उसका पति अफीम का काम करता है और अवैध हथियार रखता है। साथ ही उसने एक वीडियो भी मंत्री को दिखाया। मंत्री श्री अनिल विज ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एसडीएम अजय सिंह व डीएसपी गुरविंद्र सिंह को कैथल स्थित उसके पति के घर व जींद एसपी को नरवाना में स्थित उसके पति के दूसरे घर पर रेड के आदेश जारी किए और कहा कि यदि अफीम व हथियार मिलते हैं तो तुरंत कार्रवाई की जाए। साथ ही शिकायतकर्ता की मांग पर उसके केस को हांसी में ट्रांसफर करने के पुलिस को आदेश जारी किए।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में चाक-चौबंद सुरक्षा

1200 पुलिसकर्मी तैनात, 200 सीसीटीवी से होगी निगरानी

डॉ. जरनैल रंगा/गजब हरियाणा

कुरुक्षेत्र । पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने बताया कि आगामी 21 दिनों तक चलने वाले अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए जिला पुलिस ने पुख्ता तैयारी कर ली है। उन्होंने कहा कि महोत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है।पत्रकार वार्ता में पुलिस अधीक्षक ने बताया कि महोत्सव के दौरान 10 डीएसपी और करीब 1200 पुलिसकर्मी विभिन्न स्थानों पर तैनात रहेंगे। यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए व्यापक ट्रैफिक प्लान तैयार किया गया है। शहर के अंदर और बाहरी क्षेत्रों में कुल 33 नाके लगाए गए हैं– जिनमें 17 बाहरी क्षेत्रों में और 16 ब्रह्म सरोवर के आसपास

होंगे। आवश्यकता पड़ने पर भारी वाहनों को डायवर्ट करने की भी व्यवस्था रहेगी। उन्होंने जानकारी दी कि भीड़ और सुरक्षा की दृष्टि से 21 राइडर और पीसीआर वैन तैनात की गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ऑटो और ई-रिक्शा के अलग स्टैंड और निश्चित मार्ग तय किए गए हैं, जिससे आवागमन में किसी को दिक्कत न हो।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ब्रह्म सरोवर और आसपास के क्षेत्र में करीब 200 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिनके माध्यम से हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जाएगी। सिविल ड्रेस में पुलिस कर्मी 24 घंटे गश्त करते हुए शरारती तत्वों पर विशेष तौर पर निगरानी रखेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि हुड़दंग या अव्यवस्था फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति को मेले क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा।अंत में उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि किसी को कोई संदिग्ध व्यक्ति, वाहन या वस्तु दिखाई दे, तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि सभी श्रद्धालु निर्भय होकर महोत्सव की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक भावना का आनंद ले सकें।

कुवि के तीन छात्र कोड कोशिएंट कम्पनी में हुए चयनित

गजब हरियाणा ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन विभाग के मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) और एम.एससी. विभागों के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपने परिश्रम और प्रतिभा का लोहा मनवाया है। विश्वविद्यालय के कुल 75 विद्यार्थियों ने प्रसिद्ध आईटी कंपनी कोड कोशिएंट की भर्ती प्रक्रिया में भाग लिया। इनमें से 20 विद्यार्थियों ने प्रारंभिक चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शॉर्टलिस्ट में स्थान प्राप्त किया, जबकि अंततः 3 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने अंतिम चयन में सफलता प्राप्त कर विश्वविद्यालय और अपने विभाग का नाम गौरवान्वित किया। अंतिम रूप से चयनित विद्यार्थियों में देवांग मित्तल, हेमंत कुमार तथा तनिष जांगड़ा शामिल हैं। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार ने कहा कि इन विद्यार्थियों का चयन कोड कोशिएंट जैसी प्रतिष्ठित कंपनी में होना न केवल उनकी मेहनत और योग्यता का प्रमाण है, बल्कि यह विश्वविद्यालय में संचालित उच्चस्तरीय तकनीकी शिक्षा और प्रशिक्षण की गुणवत्ता को भी दर्शाता है।

अंबाला क्लब चुनाव पर बवालः पूरी प्रक्रिया को बताया गया गैरकानूनी, डीसी को सौंपी शिकायत

शेर सिंह/गजब हरियाणा

अंबाला। अंबाला शहर के प्रतिष्ठित अंबाला क्लब के चुनाव को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। पूर्व अध्यक्ष पद के उम्मीदवार राजेश तलवार ने चुनावी प्रक्रिया को पूरी तरह 'गैरकानूनी, अपारदर्शी और असंवैधानिक' ठहराते हुए इसे रद्द कर दोबारा मतदान कराने की मांग की है।

तलवार के नेतृत्व में 45 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को उपायुक्त एवं क्लब चेयरमैन अजय सिंह तोमर से मिला और विस्तृत शिकायत पत्र सौंपा।क्लब सदस्यों का आरोप है कि चुनाव शासकीय दबाव में 'चोरी' किया गया और योजनाबद्ध तरीके से एक ही समूह के सभी उम्मीदवारों को बिना मतदान के विजेता घोषित कर दिया गया। दूसरी ओर, विपक्षी प्रत्याशियों के नामांकन

पत्रों को तकनीकी आधार बताकर खारिज कर दिया गया। राजेश तलवार ने कहा कि पिछले एक दशक से अधिकारियों के हस्तक्षेप के कारण क्लब की गरिमा पर आंच आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि क्लब को कुछ लोग अपनी निजी संपत्ति की तरह चला रहे हैं, आर्थिक अनियमितताएं लगातार बढ़ रही हैं और नयी नियमावली 25 अक्टूबर 2025 को जल्दबाजी में लागू कर दी गई। इसके तहत ऐसे प्रावधान थोपे गए जिससे कई पुराने सदस्य चुनाव लड़ने के अयोग्य हो गए।

तलवार ने चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस उम्मीदवार को बिना चुनाव लड़े अध्यक्ष बना दिया गया, उसने कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया था, मगर जीत के तुरंत बाद भाजपा में शामिल हो गया। इससे पूरी प्रक्रिया की निष्ठा और पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न उठते हैं। इस विवाद को लेकर अब कानूनी मोर्चा भी खोल दिया गया है।

डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, फर्म एंड सोसायटीज़ के समक्ष एडवोकेट आदित्य वर्मा के माध्यम से एक विस्तृत पिटीशन दाखिल की गई है। इसमें चुनावी प्रक्रिया को अवैध घोषित करने, 20 अक्टूबर को संपन्न चुनावों पर अंतरिम रोक लगाने और नए बायलॉज को निरस्त करने की मांग की गई है। पिटीशन में रिटर्निंग ऑफिसर, क्लब सचिव, प्रेजिडेंट और पूरी कार्यकारिणी को पार्टी बनाया गया है। राजेश तलवार ने कहा कि क्लब की गरिमा और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए वे 'मरते दम तक' संघर्ष करेंगे और जरूरत पड़ने पर मामला पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट तक ले जाएंगे।

चंडीगढ़ के कलाकारों ने कुरुक्षेत्र में दिखाए अभिनय के जौहर, दो घंटे की प्रस्तुति ने दर्शकों की वाहवाही बटौरी

कला कीर्ति भवन में हुआ नाटक एक रुका हुआ फैंसला का सफल मंचन

डॉ. जरनैल रंगा/गजब हरियाणा

कुरुक्षेत्र। हरियाणा कला परिषद द्वारा प्रत्येक सप्ताह आयोजित होने वाली साप्ताहिक संध्या में शुक्रवार को नाटक एक रुका हुआ फैसला का मंचन हुआ। परम्परा आर्ट्स, चंडीगढ़ के कलाकारों द्वारा अभिषेक शर्मा के निर्देशन तथा रंजीत कपूर द्वारा अनुवादित नाटक से लगभग 2 घंटे तक दर्शकों को बांधे रखा। इस मौके पर समाजसेवी, साहित्यकार तथा प्रेरणा संस्थान के संरक्षक डॉ. जयभगवान सिंगला मुख्यअतिथि के रुप में पहुंचे।

हरियाणा कला परिषद के निदेशक नागेंद्र शर्मा ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मंच का संचालन विकास शर्मा द्वारा किया गया। नाटक एक रुका हुआ फैसला 12 एंगरी मैन पर आधारित नाटक था। जिसमें एक केस को सुलझाने के लिए बारह पुरुषों की एक जूरी बैठती है जो एक

18 वर्षीय लड़के को गुनाहगार साबित करने पर विचार-विमर्श करती है। चर्चा की शुरुआत ग्यारह लोगों द्वारा दोषी निर्णय के पक्ष में और एक द्वारा उसके विरुद्ध निर्णय से होती है। नाटक आम सहमति बनाने की कई तकनीकों और पुरुषों के इस समूह के सामने आने वाली कठिनाइयों की पड़ताल करता है। एक से एक तथ्य के कारण फैसला कर पाना मुश्किल होता जाता है। जहां ग्यारह लोग गुनाहगार को गुनाहगार साबित करने के लिए अपना फैसला दे देते हैं, वहीं एक व्यक्ति सच को उजागर करने में अपनी ताकत लगाता है। कहानी दर्शकों का ध्यान इस ओर खींचती है कि कैसे एक व्यक्ति अपने तार्किक सोच और दृढ़ विश्वास से लोगों के एक समूह का मन बदल सकता है। चर्चा, तर्क-वितर्क और प्रतिवाद की प्रक्रिया में दर्शक मानवीय व्यवहार के कई पहलुओं को देखते हैं। कुछ जूरी सदस्यों को परिणाम की बिल्कुल भी परवाह नहीं होती और कुछ का दृढ़ विश्वास होता है कि वे हमेशा सही होते है। वे तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर अपने निष्कर्ष को उचित ठहराना चाहते हैं। नाटक के अंत में साबित होता है कि आम तौर पर दिखने वाली चीज सही नहीं होती। और जूरी अपना वोट दोषी से निर्दोष में बदल देते हैं। नाटक में उतार-चढ़ाव और तीखे संवाद दर्शकों को बांधे रखते हैं। दर्शकों को भी ऐसा लगता है जैसे वे भी जूरी का हिस्सा हों, जिन्हें एक मामला दिया गया हो और वे अंतिम वास्तविकता की खोज करने की कोशिश कर रहे हों। नाटक के अंत में मुख्य अतिथि डॉ. जय भगवान सिंगला ने कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

राइस मिलों से निकल रहे गंदे पानी से राहगीर परेशान, टूटने लगी पानी से सड़क, सुखने लगे हरे पेड़

गजब हरियाणा ब्यूरो

निसिंग। राइस मिलों के गंदे पानी की निकासी के लिए साम्भली रोड पर बना नाला सफाई के अभाव में ओवरफलों हो गया। इसके कारण बगैर बारिश के ही एक बार फिर साम्भली रोड पानी से लबालब हो गया। राहगीरों को दिनभर गंदे पानी की बदबू से दो चार होना पड़ा। गंदा पानी दोपहिया वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है।

राइस मिलों के पानी से सड़क भी टूटनी शुरू हो गई हैं पानी इतना है कि सड़क के गड्ढे भी नहीं दिखाई दे रहे ।जिसके कारण कई बाइक सवार गिरकर चोटिल हो रहें हैं। राहगीरों ने कहा कि मिलों के गंदे पानी की निकासी के लिए बने नाले की मिलरों की ओर से सफाई नहीं करवाई जा रही। इसके कारण पानी ओवरफ्लो होकर अकसर सड़क पर बहने लगता है।

बता दें कि नियमानुसार राइस मिलों का पानी ट्रीट कर भूमिगत करना होता है, लेकिन शायद निसिंग के मिलों में ट्रीटमेंट प्लांट या तो है ही नहीं

और यदि है तो चलाए नहीं जा रहे। निसिंग में चल रहे राइस मिल लोगों की सेहत बिगाड़ रहे हैं, लेकिन प्रदूषण विभाग शिकायत का इंतजार कर रहा है। निसिंग में कई दर्जनों राइस मिल हैं, जिनमें से अधिकांश का प्रदूषित पानी खुले में फेंका जा रहा है और राख भी उड़कर लोगों का स्वास्थ्य बिगाड़ रही है। केंद्र सरकार की ओर से प्रदूषण को कम करने के लिए कई अभियान चलाए हुए हैं, लेकिन राइस मिलों से निकलने वाले गंदे पानी, राखी चिमनियों के धुएं की ओर किसी का ध्यान नहीं है। राइस मिलों द्वारा फैल रहे प्रदूषण से आमजन के स्वास्थ्य पर काफी प्रभाव पड़ रहा है। जिला प्रशासन इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं।

इस संबंध में कई बार अधिकारियों को अवगत भी करा चुके हैं, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला।

बिहार की ऐतिहासिक जीत में पीएम, गृहमंत्री के नेतृत्व में नायब सिंह सैनी की टीम का अहम योगदानः सूरज भान कटारिया

डॉ. जरनैल रंगा/गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सूरज भान कटारिया ने कहा है कि बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के कुशल नेतृत्व तथा मार्गदर्शन में संभव हुई।

इस मौके पर सूरजभान कटारिया ने राजेश्वर, पंजाब सिंह, ईश्वर दास लौंगिया, तरुण अरोड़ा, जगमाल सिंह चंदेल, रामकुमार राहुल, महीपाल फूले, अभिमन्यु वर्मा को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर करते हुए कटारिया ने विशेष रूप से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उनकी टीम की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। सूरज भान कटारिया ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने स्टार प्रचारक के रूप में बिहार के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाएं आयोजित कर जनता से संवाद स्थापित किया। उनकी सरल सादगी, स्पष्ट

संदेश और जोशीले अंदाज ने मतदाताओं तथा कार्यकर्ताओं में उत्साह भर दिया और चुनावी माहौल को सकारात्मक दिशा दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की विकास-उन्मुखी नीतियों और केंद्र सरकार के कामों को जनता तक पहुंचाने में मुख्यमंत्री सैनी का योगदान सराहनीय रहा। इसके अलावा, भाजपा हरियाणा प्रदेश संगठन ने भी इस चुनाव में सक्रिय भूमिका निभाकर पार्टी की जीत सुनिश्चित की।

आयुष विश्वविद्यालय के विद्यार्थी बनेंगे 'रोग-निवारण दूत', पांच गांवों की सेहत का जिम्मा उठाएंगे

डॉ जरनैल रंगा/गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र। कल्पना कीजिए,आपके गांव में जहां हर घर का अपना आयुर्वेदिक 'गार्जियन' हो। जहां बीमारी के आने का इंतजार नहीं,बल्कि चिकित्सक खुद आपके घर-घर दस्तक देकर आपकी सेहत का जिम्मा उठाए, कैसा लगेगा। ऐसी ही अनोखी और प्रेरणादायक पहल की है श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान ने। आयुष विश्वविद्यालय ने थानेसर के पांच गांव को गोद लिया है,जिनमें BAMS के विद्यार्थी घर-घर दस्तक देंगे और एक-एक भावी चिकित्सक 12-12 परिवारों को गोद लेगा और उनकी सेहत का जिम्मा उठाएगा। यही नहीं, उनकी दिनचर्या, खानपान, रोगों के जोखिम, मानसिक तनाव, मौसम के अनुसार आहार, योग-प्राणायाम सबकी व्यक्तिगत गाइडलाइन तैयार करेंगे।

दरअसल,आयुष विश्वविद्यालय के आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान ने गांव कलाल माजरा, गांव बीड़ मथाना, गांव बीड़ पिपली, गांव फतुहपुर और गांव पलवल की ग्राम पंचायत के साथ एमओयू किया। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य प्रो.आशीष मेहता, आयुर्वेदिक अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. राजा सिंगला, प्रो. शीतल सिंगला, डॉ. सुरेंद्र सिंह सहरावत, डॉ. मोहित शर्मा, गांव कलाल माजरा के सरपंच कुलदीप सैनी, बीड़ मथाना के सरपंच देवी दयाल, बीड़ पिपली की सरपंच भारती सैनी के पिता पूर्व सरपंच राजेश सैनी, गांव फत्तुपुर और गांव पलवल के सरपंच

प्रतिनिधि, नंबरदार रामस्वरूप, बाली राम और रवि कुमार भी उपस्थित रहे। आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान के प्राचार्य प्रो. आशीष मेहता ने बताया कि यह मॉडल सिर्फ स्वास्थ्य शिविरों तक सीमित नहीं है, बल्कि एक लंबे समय की सामुदायिक हेल्थ मॉनिटरिंग व्यवस्था है। विद्यार्थी पूरे वर्ष गांवों में जाकर घर-घर की सेहत का आकलन करेंगे, समय-समय पर शिविर लगाएंगे और स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों व आशा वर्कर्स को भी आयुर्वेदिक जीवनशैली पर प्रशिक्षित किया जाएगा। आयुर्वेदिक अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. राजा सिंगला ने कहा कि उद्देश्य इन गांवों को 'आयुर्वेद आरोग्यम ग्राम' के रूप में विकसित करना है। किशोर स्वास्थ्य, मातृ-शिशु देखभाल, वृद्धजनों की हेल्थ मॉनिटरिंग और स्कूल हेल्थ प्रोग्राम जैसी गतिविधियां भी निरंतर चलेंगी। कार्यक्रम की सराहना करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान ने कहा कि पहली बार किसी विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन में रोग-निवारण दूत के रूप में उतारा है। यहां विद्यार्थी केवल पढ़ाई नहीं करेंगे, बल्कि सेवा, संवेदना और समुदाय के साथ गहरा जुड़ाव भी सीखेंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल गांवों को 'रोग-रहित ग्राम' बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

प्रकाशक , सम्पादक एवं मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा मेसर्स डी बी कार्प लिमिटेड प्लाट न.42-43 सेक्टर - 29, हुडा,पानीपत से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं. 890 पी, सेक्टर - 4, अर्बन एस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (9138203233), Registretion Namber: HAR/HIN/2018/77311